● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 155, पृष्ठ : 08, सीधी, रविवार, 13 जुलाई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

बिहार के लोगों के लिए एक और तोहफा 5

केएल राहुल शतक बनाकर आउट 6

प्रदेश की सभी बहनें हमारा मान हैं, अभिमान हैं : डॉ. यादव

हर बहन को बनाकर देंगे पक्का मकान, बहनों के कल्याण के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राखी भाई-बहन के परस्पर स्नेह का बंधन है। यह अनंतकाल से चला आ रहा अटूट बंधन है। राखी आई है, तो भाई का बहन को शगुन देना लाजिमी है। राखी 9 अगस्त को है। इसलिए राखी से पहले हमारी सरकार सभी लाड़ली बहनों को 250 रुपए की अतिरिक्त राशि शगुन के रूप में देगी। अगस्त माह में प्रत्येक लाड़ली बहन को 1500 रुपए मिलेंगे। हम यही नहीं रुकेंगे, बल्कि प्रदेश की हर लाड़ली बहन को पक्का मकान भी बनाकर देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को उज्जैन जिले की ग्राम पंचायत नलवा में लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता राशि सहित अन्य योजनाओं के तहत बहनों को सहायता राशि वितरण के राज्य

स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की 1.27 करोड़ लाडली बहनों को 26वीं किश्त के रूप में 1543.16 करोड़ रुपए की सहायता राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 30 लाख से अधिक बहनों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत सिलेंडर रिफिलिंग के लिए 46.34 करोड़ रुपए सब्सिडी राशि तथा 56.74 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को 340 करोड़ रुपए की पेंशन राशि भी उनके बैंक खातों में अंतरित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की सभी बहनें हमारा मान हैं, अभिमान हैं। इनके मान-सम्मान और कल्याण के लिए हम कोई कसर नहीं रखेंगे। दीपावली के बाद आने वाली भाईदूज तक राज्य सरकार सभी लाड़ली बहनों को 1250 रुपए से बढ़ाकर हर माह 1500 रूपए सहायता राशि देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य सरकार का संकल्प दोहराते हुए कहा कि लाड़ली बहनों को दी जा रही यह सहायता राशि धीरे-धीरे बढ़ाकर 3000 रूपये प्रतिमाह कर दी जाएगी।

इस अवसर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, प्रधानमंत्री मातृवंदन योजना एवं प्रधानमंत्री उज्जवला योजना में हितग्राहियों को मंच से हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलन एवं कन्या-पूजन के साथ राज्यस्तरीय राशि अंतरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साथ ही लाड़ली बहनों का पुष्पवर्षा के साथ अभिवादन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित माता-बहनों ने पवित्र श्रावण मास में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राखी बांधी। बहनों की ओर से मुख्यमंत्री को एक विशाल राखी भी भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में नारी सशक्तिकरण का अभियान जारी है। बहनों के कल्याण के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार सभी दायित्वों का बखूबी निर्वहन कर रही है। बहनों के मान-सम्मान और उनके सिंदूर की रक्षा करना और उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाना सरकार की प्राथमिकता मे है। हम देश की आधी आबादी को उनका पूरा हक दिलाने की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं।

राष्ट्र सेवा ही सबसे बड़ी पहचान : पीएम मोदी

पीएम ने 51,000 युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। देशभर के 47 शहरों में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं को एक बड़ी सौगात देते हुए 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है.. बिना पर्ची, बिना खर्ची। युवाओं के संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि

अलग-अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ देश की रक्षा करेंगे, कुछ सबका साथ, सबका विकास के सच्चे सिपाही बनेंगे। कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे, तो कुछ उद्योगों के विकास में योगदान देंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भले ही नियुक्ति पाने वाले युवाओं के विभाग अलग-अलग हैं, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है राष्ट्र सेवा। उन्होंने कहा कि आपके विभाग अलग हो सकते हैं, लेकिन आप सब एक ही शरीर के अंग हैं, और वह है- देश की सेवा। बता दें कि इस दौरान पीएम मोदी ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि रोजगार मेले के अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर। गौरतलब है कि केंद्र सरकार की तरफ से आयोजित रोजगार मेला एक विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को तेज और पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियों में नियुक्त करना है। इसके तहत अब तक लाखों युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में रोजगार मिल चुका है।

कुर्सी ढूंढ़ना मुश्किल, मौका मिलते ही बैठ जाओ

डीके शिवकुमार के बयान से फिर सियासी भूचाल

बेंगलूरू। कर्नाटक की राजनीति में इन दिनों कुर्सी हर किसी की जुबान पर है। जिसे देखो वही इसी पर बात कर रहा है, कोई कह रहा है कि डीके शिवकुमार को सीएम बनना चाहिए तो वहीं कोई सिद्धारमैया को सीएम बने रहते देखना चाहता है। हालांकि खुद शिवकुमार या सिद्धारमैया खुलकर इस मसले पर कुछ नहीं बोल रहे उल्टा सरकार चलाने में वे किसी भी तरह से मतभेद से इनकार करते रहते हैं, लेकिन आज बोलते-बोलते राज्य के डिप्टी सीएम कुर्सी पर कुछ ऐसा बोल गए कि राज्य में सियासी भूचाल खड़ा हो गया। बैंगलोर बार

एसोसिएशन द्वारा आयोजित नादप्रभु केम्पेगौड़ा जयंती समारोह के उद्घाटन के मौके पर शिवकुमार की सीएम पद को लेकर टीस उभर आई और उन्होंने कहा कि कुर्सी ढूंढना मुश्किल है। जब आपको कुर्सी मिल जाए, तो आपको आकर उस पर ऐसे बैठना होगा कि फिर उठे ही ना। अब उनके इस बयान ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही अटकलों को और हवा दे दी है। डीके शिवकुमार शुक्रवार को बैंगलोर बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित नादप्रभु केम्पेगौड़ा जयंती समारोह के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। यहां अपने संबोधन के दौरान उन्होंने यह टिप्पणी की। शिवकुमार ने वहां उपस्थित वकीलों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं देख रहा हूं कि यहां बहुत सारी कुर्सियां खाली पड़ी हैं, इसके बावजूद कई वकील खड़े हैं। जबकि हम सभी एक कुर्सी खोजने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। यहां बहुत सी कुर्सियां हैं, आकर बैठ जाइए।

उड़ान के तीन सेकेंड बाद बंद हुई ईंधन आपूर्ति, 29 सेकेंड में विमान क्रैश

नई दिल्ली। अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुआती रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान (एआई 171) 12 जून को जब अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने लगा तो केवल तीन सेकेंड बाद ही ईंधन की आपूर्ति बंद हो गई। टेकऑफ के बाद दोनों इंजनों की ईंधन आपूर्ति बंद होते ही केवल 29 सेकेंड बाद विमान मेघाणीनगर में क्रैश हो गया। एएआईबी की रिपोर्ट के मुताबिक टेकऑफ के समय ईंधन सप्लाई बंद होते ही इंजनों की पंखे की गति कम होने लगी थी।

केंद्रीय गृह मंत्री का सीएम विजयन पर हमला

कहा- भ्रष्ट है एलडीएफ सरकार, केरल में खूब हो रहे घोटाले

तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को केरल सरकार और सीएम पिनाराई विजयन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केरल की एलडीएफ सरकार भ्रष्ट है। राज्य में खूब घोटाले हो रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम में केरल में स्थानीय निकाय चुनावों और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के अभियान की शुरुआत करने से पहले यहां भाजपा की नई राज्य समिति कार्यालय मराजी भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि केरल में एलडीएफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट

का ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्ट सरकार का रहा है। एलडीएफ ने विस्फोटक घोटाला, सहकारी बैंक घोटाला, एआई कैमरा घोटाला, लाइफ मिशन घोटाला, पीपीई किट घोटाला और भारत का सबसे बड़ा सोना तस्करी घोटाला किया। उन्होंने कहा कि भाजपा और माकपा दोनों ही कैडर-आधारित पार्टियां हैं, लेकिन दोनों में बड़ा अंतर है। केरल में कैडर कल्याण राज्य के विकास से बड़ा है, जबकि भाजपा के लिए कैडर से ऊपर विकसित केरलम है। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के तीन मुख्य दृष्टिकोण हैं कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन, सरकारी योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं और राजनीतिक लाभ से परे केरल का विकास।

मत्स्य पालन को मिलेगा उद्योग का दर्जा : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम के मित्र महाराज निषादराज ने सबसे पहले श्रीराम की प्रभुता को पहचाना था। मछुआ समुदाय अपने जीवन को खतरे में डालकर पानी में खेती करता है, यह साहस का कार्य है। मछली और मछुआरों का सदियों से संबंध रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में भी मछुआ कल्याण बोर्ड के माध्यम से कई योजनाएं संचालित हैं। प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार का लाभ दे रही है। मछली पालन भी एक उद्योग है, इसे भी अन्य उद्योगों की तरह सभी सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 22 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से 453 स्मार्ट फिश पार्लर का भूमि-पूजन और इंदिरा सागर बांध में लगभग 92 करोड़ लागत से 3360 केज परियोजना का वर्चुअल भूमि-पूजन भी किया।

लोकतांत्रिक आवाजों को दबा रहे हैं चंद्रबाबू नायडू

वाईएस जगन मोहन रेड्डी का मुख्यमंत्री पर आरोप

अमरावती। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि नायडू पुलिस शक्ति का दुरुपयोग कर लोकतांत्रिक विरोध को दबा रहे हैं और राज्य में तानाशाही जैसा माहौल बना दिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, प्रश्न पूछना, विरोध करना और एकत्रित होना लोकतंत्र की बुनियाद है, लेकिन आंध्र प्रदेश में यह सब कुछ कुचला जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता और विपक्ष की तरफ से उठाए गए हर वैध मुद्दे का जवाब दमन, डर और झूठे केसों के जरिए दिया जा रहा है। इस दौरान वाईएसआरसीपी प्रमुख ने अपने राज्यव्यापी दौरों के दौरान हुई घटनाओं का जिक्र किया।

एनएसए डोभाल के बयान से पाकिस्तान बौखलाया

अंतर्राष्ट्रीय नियमों की दे रहा दुहाई

नई दिल्ली

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल की ओर से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर दिए गए बयान से पाकिस्तान तिलमिला उठा है। डोभाल ने शुक्रवार को पहली बार पाकिस्तान की बखिया उधेड़ते हुए कहा कि भारत ने पाकिस्तान के भीतर मौजूद नौ आतंकी ठिकानों को बेहद सटीक तरीके से निशाना बनाया और इस दौरान एक भी चूक नहीं हुई। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन मात्र 23 मिनट में पूरा हुआ और इसका आधार पूरी तरह खुफिया जानकारी थी। अब पाकिस्तान के हुक्मरान भारतीय एनएसए के इस खुलासे पर बौखला गए हैं।

दरअसल, डोभाल ने विदेशी मीडिया को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर भारत को नुकसान पहुंचा है, तो एक भी फोटो, एक भी सैटेलाइट इमेज दिखा दें। यहां तक कि एक शीशा भी टूटा हो तो बताएं। हम जानते थे कौन कहां है और हमने उसी जगह को निशाना बनाया। हमसे कोई चूक नहीं हुई।

डोभाल के इस बयान के बाद पाकिस्तान में खलबली मच गई। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डोभाल के बयान को तोड़फोड़ और झूठ से भरा हुआ करार दिया। इसके साथ ही पाकिस्तान ने भारत पर संप्रभुता के उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने कहा, डोभाल का बयान एक जानबूझकर किया गया झूठा प्रचार है। यह जिम्मेदार कूटनीति के सभी मानकों का उल्लंघन है। भारत का इस तरह सैन्य हमले पर घमंड करना संयुक्त राष्ट्र चार्टर का गंभीर उल्लंघन है।

साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि भारत ने जिन लक्ष्यों को आतंकी ठिकाने बताया, वो असल में आम नागरिकों के इलाके थे और वहां नागरिकों की मौतें हुईं। शफकत अली खान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अब इसे गंभीरता से लेना होगा। अगर लगाम नहीं लगाई गई, तो हम इसके परिणाम देख चुके हैं।

भारतीय न्याय व्यवस्था की चुनौतियों पर सीजेआई ने जताई चिंता

हैदराबाद। देश के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने भारतीय न्याय व्यवस्था की चुनौतियों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि देश की न्यायिक व्यवस्था में सुधार की सख्त जरूरत है। हैदराबाद के नालसार विधि विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में उन्होंने छात्रों से कहा कि वे छात्रवृत्ति पर विदेश जाकर अध्ययन करें, न कि परिवार पर वित्तीय दबाव डालें। मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि हमारी न्याय प्रणाली में सुधार की सख्त जरूरत है। फिर भी मैं आशावादी हूं कि मेरे साथी नागरिक चुनौतियों का सामना करेंगे। हमारा देश और न्याय व्यवस्था अनोखी चुनौतियों का सामना कर रही है। मुकदमों में देरी कभी-कभी दशकों तक चल सकती है। हमने ऐसे मामले देखे हैं जहां विचाराधीन कैदी के रूप में वर्षों जेल में बिताने के बाद भी कोई निर्दोष पाया गया है। सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं हमें उन समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकती हैं जिनका हम सामना कर रहे हैं।

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता नभा की हुई मृत्यु

भोपाल। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लायी गयी 8 वर्षीय मादा चीता नभा की मृत्यु हो गई। मादा चीता नभा शिकार के प्रयास के दौरान घायल हुई थी। उसे अन्य चोटों के साथ दोनो बायें, आगे एवं पिछले पैरों में फ्रेक्चर पाया गया। एक सप्ताह से उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान आज उसकी मृत्यु हो गई। पीएम रिपोर्ट आने के बाद वस्तु-स्थिति पता लगेगी। क्षेत्र संचालक चीता परियोजना ने बताया कि कूनो में अब 26 चीते हैं। इनमें 9 वयस्क (6 मादा, 3 नर) और 17 भारत में जन्में शावक हैं, सभी स्वस्थ हैं। इसके अलावा गाँधी सागर अभयारण में 2 नर चीते हैं। कूनो में 26 चीतों में से 16 चीते खुले जंगल में विचरण कर रहे हैं।

राधिका हत्याकांड में खुले नए राज

नहीं थी खुद की टेनिस एकेडमी, हत्या के पीछे दो कारण, आखिरी चैट भी आई सामने

गुरुग्राम। राधिका यादव हत्याकांड में आरोपी पिता दीपक यादव को एक दिन का रिमांड पूरा होने के बाद शनिवार को गुरुग्राम की कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। अब इस हत्याकांड में नए नए खुलासे हुए हैं, जिनके बाहर आने के बाद कई सवाल भी उठ रहे हैं। जिसमें सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि आखिर हत्यारोपी पिता दीपक ने ये झूठ क्यों कहा कि उसने 1.5 करोड़ रुपये की टेनिस एकेडमी बेटी को दी थी। जबकि पुलिस जांच में यह बात बिल्कुल गलत साबित हुई। कब क्या हुआ? बीते गुरुवार की सुबह करीब 10.30 बजे गुरुग्राम सेक्टर-57 के सुशांतलोक फेज-2 में जूनियर अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव को उसके पिता दीपक यादव ने चार गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने हत्यारोपी दीपक यादव को गिरफ्तार किया और पूछताछ के लिए एक दिन के रिमांड पर लिया था। हत्याकांड मामले में पहले सामने आया कि पिता दीपक राधिका यादव को एकेडमी बंद करने के लिए कह रहा था, लेकिन वह मना कर रही थी। इसी विवाद के चलते पिता ने बेटी को गोली मार दी थी। पिता ने पुलिस को बताया कि बेटी की वजह से गांव में बदनामी हो रही थी, इसी कारण वह नाराज था और उसने गोली मारकर राधिका यादव की हत्या कर दी।

इसरो के मानव अंतरिक्ष अभियान की तैयारी तेज

गगनयान की उड़ान के लिए इंजन तैयार, मिशन एबॉर्ट परीक्षण सफल

बंगलूरू। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को बताया कि उसने गगनयान मिशन के लिए सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम (एसएमपीएस) का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसके साथ ही इस सिस्टम के सभी जरूरी परीक्षण भी पूरे कर लिए गए हैं। शुक्रवार को इस सिस्टम का 350 सेकंड (करीब 6 मिनट) तक एक बड़ा परीक्षण किया गया। इसका मकसद यह देखना था कि अगर उड़ान के दौरान कोई गड़बड़ी हो जाए और मिशन को बीच में रोकना पड़े (जिसे मिशन एबॉर्ट कहा जाता है), तो यह सिस्टम सही तरीके से काम करता है या नहीं।

गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिस पर काम किया जा रहा है। इसरो ने एक बयान में कहा कि हॉट परीक्षण के दौरान प्रोपल्शन सिस्टम का प्रदर्शन पूर्वानुमानों के अनुसार सामान्य रहा। इसरो के मुताबिक, गगनयान के सर्विस मॉड्यूल में एक खास सिस्टम लगाया गया है जो दो तरह के ईंधन से चलता है। यह सिस्टम उस हिस्से को मदद करता है जो इंसानों को लेकर अंतरिक्ष में जाएगा। इसका काम रॉकेट को सही कक्षा (ऑर्बिट) में पहुंचाना, उड़ान के

दौरान दिशा को नियंत्रित करना, जरूरत पड़ने पर रॉकेट की गति को धीमा करना और अगर कोई गड़बड़ी हो जाए तो मिशन को बीच में रोककर अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित वापस लाना है।

इस सिस्टम में दो खास तरह के इंजन काम करते हैं - लिक्विड एपोजी मोटर (एलएएम) रॉकेट को उसकी सही कक्षा में लाने और फिर धीरे-धीरे नीचे लाने में मदद करते हैं। रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम (आरसीएस) रॉकेट की दिशा को बहुत सटीक तरीके से नियंत्रित करता है। इसरो ने बताया कि एसएमपीएस को अच्छे से परखने के लिए एक मॉडल तैयार किया गया, जिसे सिस्टम डेमोंस्ट्रेशन मॉडल (एसडीएम) कहा जाता है। इस मॉडल में वह सभी हिस्से शामिल थे जो असली सिस्टम में भी होंगे - जैसे ईंधन टैंक से ईंधन भेजने वाला सिस्टम, हीलियम गैस का दबाव बनाए रखने वाला सिस्टम, उड़ान में काम करने वाले छोटे-छोटे इंजन (थ्रस्टर) और उन्हें नियंत्रित करने वाले उपकरण। इस मॉडल पर इसरो ने 25 बार अलग-अलग तरह के परीक्षण किए - कुछ सामान्य हालातों में और कुछ मुश्किल हालातों में। ये सारे परीक्षण कुल 14,331 सेकंड (करीब 4 घंटे) तक चले।

राम कमल की रहस्यमय मौत का पुलिस नहीं खोलना चाहती राज

7 माह बीत गए पीड़ितों को न्याय नहीं दे पाई सरई पुलिस

मृतक के भाई का आरोप, एसडीओपी व तत्कालीन टीआई ने मामले को किया गुमराह

सिंगरौली। बीते 7 माह पूर्व 7 जनवरी को जिले के सरई थाना क्षेत्र अंतर्गत नौढिया निवासी रामकमल पांडेय का शिवगढ़ के बर्दिया नाला सुतिहिया मे रहस्यमयी तरीके से मौत हो गई थी। इस रहस्यमयी मौत का राज सरई पुलिस नहीं खोलना चाहती है। 7 माह बीत गए लेकिन पीड़ितों को आज तक पुलिस न्याय नहीं दे पाई है। मृतक के भाई का आरोप है कि एसडीओपी देवसर और तत्कालीन टीआई ने मामले को गुमराह किया है। पीड़ित ने कहा कि नवागत टीआई ने कहा था कि निष्पक्ष जांच कराएंगे लेकिन अभी तक कोई जांच नहीं हुई है अब तो कह रहे हैं कि उनकी मौत करंट से हुई थी डॉक्टर की रिपोर्ट कह रही है। लेकिन आरोप में यह भी कहा जा रहा है कि बालू चोरी के मामले को छुपाने के लिए तत्कालीन टीआई ने करंट दिखाकर मामले को रफा दफा करने में जुटे हुए थे।

मृतक रामकमल पांडे के भाई कृष्ण कमल पांडे ने एसडीओपी राहुल सैयाम और तत्कालीन टीआई शेषमणि पटेल पर आरोप लगाते हुए कहा है कि तत्कालीन टीआई शेषमणि पटेल के द्वारा सरई थाना क्षेत्र के शिवगढ़ बर्दिया नाला से दिन रात बराबर रेत की चोरी करवाते थे। आरोप में यह भी कहा गया कि जो पुलिस कह रही है कि मेरा भाई गाय खोजने गया था। जबकि पुलिस सरासर गलत कह

रही है। मेरा भाई कहीं गाय खोजने नहीं गया था और ना ही करंट में फंसने से उसकी मौत हुई है। पूरी तरीके से पुलिस मामले को उलझाई हुई है। क्योंकि जिस दिन रामकमल की मौत हुई है वह 7 जनवरी थी। उस दिन रात को तकरीबन 12 बजे रामकमल अयोध्या शर्मा के यहां रामायण गा रहे थे। वहीं पर सरई पुलिस आई और रामकमल से कहीं की आपका ट्रैक्टर दो ट्रिप बालू लेकर निकल गया है अब कोई झगड़ा विवाद नहीं होगा फिर से अपनी गाड़ी भेज दीजिए। इतना कह कर पुलिस चली गई। पीड़ित ने बताया कि रामायण गाने के बाद रामकमल शिवगढ़ गए। वहां क्या विवाद हुआ। किसी को कुछ पता नहीं है। उन्हीं के ट्रैक्टर से पुलिस के द्वारा रामकमल पांडे का शव ट्रैक्टर में रखवा कर घर भेज दिया गया। सवाल यह है कि अगर करंट से उनकी मौत हुई होती तो पुलिस कभी भी शव उठाकर घर ना भेजती और घटना स्थल से साक्षय को ना छुपाया गया होता। इस घटना में पूरी तरीके से तत्कालीन टीआई की संलिप्तता थी। क्योंकि पीड़ित ने आरोप में बताया कि घटना के दिन अल सुबह जब सरई थाने गया तो तत्कालीन टीआई शेषमणि पटेल और एसडीओपी के द्वारा डाट कर भगा दिया गया था और रिपोर्ट नहीं लिखी गई थी। अगले दिन 8 जनवरी की सुबह तकरीबन 7 दूसरे के कहने पर रिपोर्ट लिखी गई और उस रिपोर्ट में हमारा हस्ताक्षर नहीं लिया गया अन्य का हस्ताक्षर लेकर करंट दिखाकर मौत होना लिखा गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि यह पूरी घटना जानबूझकर की गई है पुलिस ने ट्रैक्टर रेत में लगा हुआ था उसको नहीं दर्शाया है क्योंकि यह दर्शाती की ट्रैक्टर बालू चोरी कर रहा था तो खुद पुलिस फंस जाती। अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए पुलिस मनगढ़ंत कहानी बनकर करंट से मौत होना दिख रही है अब तो पुलिस ना तो सीडीआर दिखा रही है। पीड़ित ने कहा कि मेरे भाई की सोची समझी हत्या हुई है अब पुलिस मामले को दबा रही है। हमको न्याय नहीं मिल रहा है।

एनएच 39 के गड्ढों ने ली युवक की जान

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और एमपी आरडीसी के अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का दर्ज हो मामला

सिंगरौली। सीधी सिंगरौली एनएच 39 पर गड्ढों के कारण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बाइक सवार युवक सड़क पर बने गड्ढों में गिरा जहां पीछे से आ रहे हाइवा ने युवक को बेरहमी से कुचल कर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और एमपी आरडीसी के खिलाफ लोगों ने जमकर नारेबाजी की। इस दौरान करीब 3 घंटे तक नेशनल हाईवे जाम रहा। मौके पर पहुंची जियावन पुलिस लोगों को समझाइए देते हुए शांत कराया।

जानकारी के अनुसार सीधी जिले के ग्राम हटवा पटपरा निवासी एक युवक बैढ़न से अपने घर सीधी की ओर जा रहा था। युवक जियावन थाना क्षेत्र के झुरही तिराहा पर सड़क के एक गड्ढे में फस कर गिर गया। जहां पीछे से बेकाबू स्पीड से आ रहें हाईवा वाहन क्रमांक जेएच 03 एएन 5979 के चालक ने मोटरसाइकिल चालक को टक्कर मार दिया। जहां युवक घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। बताया जाता है कि उक्त घटना के बाद गुस्साएं स्थानीय लोगों ने चक्काजाम करना शुरू कर दिया। युवक हेलमेट लगाया हुआ था। वही गुस्साए लोगों ने चक्काजाम शुरू कर दिया है। गुस्साए लोगों का कहना था कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और एमपी आरडीसी के अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का आपराधिक मामला दर्ज होना चाहिए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर जियावन थाना टीआई कपूर त्रिपाठी समेत भारी संख्या में पुलिस बल पहुंच शव को अपने कब्जे में लेते हुये आरोपी हाईवा वाहन के चालक के तलाश में जुट गई। करीब 16 साल से बन रही नेशनल हाइवे 39 सड़क पर बने जानलेवा गड्ढों में गिरकर लोग अपनी जान गवा रहे हैं। बारिश के दिनों में पानी भरने के बाद यह समझना मुश्किल है कि कौन सा गड्ढा कितना बड़ा है और गड्ढे के इसी भूल भुलैया में लोगों की समाधि बनती जा रही है। सड़क में बने गड्ढों के चलते युवक की मौत के बाद घटना स्थल पर जुटी ग्रामीणों की भीड़ ने राष्ट्रीय राजमार्ग को एक घंटे जाम कर दिया तथा विभाग के खिलाफ जमकर नारे लगाए। गुस्साए लोगों का कहना था कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और एमपी आरडीसी के अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे।

रसगंडा में डूबा व्यापारी, तीन दिन बाद 20 किमी दूर धुम्माडाड में मिला शव

सिंगरौली। जिला मुख्यालय बैढ़न के तुलसी मार्ग निवासी कन्हैया शू सेंटर के संचालक अनिल सोनी बीते गुरुवार की सुबह तकरीबन 11 बजे छत्तीसगढ़ के बिहारपुर रसगंडा गए हुए थे। जहां अनिल का कही रता पता नहीं चल रहा है। लेकिन उनकी स्कूटी रसगंडा में मिली है। वही सिंगरौली और छत्तीसगढ़ प्रांत के बिहारपुर पुलिस तलाश में जुटी हुई थी। जहां आज शनिवार को व्यापारी का शव रसगंडा से 20 किलोमीटर दूर सासन चौकी क्षेत्र के धुम्माडाड,चरगोडा रेड नदी में शव उतरता हुआ मिला है। इधर जानकारी में बता दें कि अनिल सोनी पिता जयप्रकाश सोनी उम्र 45 वर्ष निवासी तुलसी मार्ग बैढ़न बीते गुरुवार को छत्तीसगढ़ के बिहार पुर रसगंडा अपनी स्कूटी से घूमने गए हुए थे। बीती रात तक जब घर वापस नहीं लौटे तो उनके मोबाइल पर फोन किया गया। फोन नहीं उठा। फिर बंद पाया गया। जिसे परिजनों में डर सताने लगा। तत्काल इसकी सूचना अपने परिवार के लोगों को बताया गया। और सिंगरौली पुलिस की मदद ली गई। बीते शुक्रवार को बैढ़न से व्यवसायी व परिवार के लोग के अलावा पुलिस बिहार पुर पहुंची। सिंगरौली और बिहारपुर पुलिस के द्वारा स्थानीय लोगों की सहायता से अनिल सोनी की तलाश रसगंडा मैं की जा रही थी। अनिल सोनी के परिवार जनों ने बताया कि सुबह से ही लगातार बारिश होने के चलते पानी का बहाव तेज है जिसके चलते खोजने में काफी दिक्कत हो रही है। फिर भी पुलिस गोताखोरों के सहयोग से तलाश में जुटी हुई थी। स्थल पर स्कूटी में चाबी लगी हुई थी जो बरामद हुई है। वहीं पुलिस के खोजबीन के बाद पता चला कि अनिल सोनी का शव पानी के तेज बहाव के चलते रसगंडा से तकरीबन 20 किलोमीटर दूर सासन चौकी क्षेत्र के धुम्माडाड रेणनदी मे मिला है। जहां पुलिस ने शव का पीएम करते हुए मर्ग कायम कर मृतक के शव को परिजनों को सुपुर्द किया गया। जहां अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में किया गया। इधर यह भी बात सामने आ रही है कि व्यापारी अनिल सोनी के ऊपर व्यापारिक कर्ज था जिसके चलते हो सकता है आत्मघाती कदम उठाया है। वही पुलिस मर्ग कायम कर विभिन्न बिंदुओं पर जांच करेगी।

तीन दिन से लापता नाबालिक के साथ रेप, वापस लौटीं

नजर बंद कर बालिक के साथ रेप, बहला फुसला कर ले गए थे बरगवा तीन दोस्त, एक ने किया दुराचार

शिकायतकर्ता के लिखित बयान में पुलिस वाले करते हैं खेल

सिंगरौली। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक 15 वर्षीय नाबालिक लड़की तीन दिन बाद घर वापस लौट आई है, उसने बताया कि उसे बहला फुसला कर तीन लड़के लेकर बरगवां ले गए थे। जहां एक लड़के ने उसके साथ रेप की घटना को अंजाम दिया। लड़की ने बताया कि उसे वह लड़का रखने की बात कह रहा था। इस मामले में पीड़िता और उसकी मां ज्यादा बोलने को तैयार नहीं थी। इस मामले में कोतवाली प्रभारी अशोक सिंह ने कहा कि अधिकृत नहीं हूं कोई बयान नहीं दे पाऊंगा।

गौरतलब है कि जिले में रेप, छेड़छाड़ सहित अन्य अधिकारिक घटनाएं तेजी से बढ़ रहे हैं। पुलिस इन आपराधिक घटनाओं में अवसर निकाल कर अवैध वसूली करते हैं। चर्चा है कि कम पढ़े-लिखे मामलों में पुलिस सामान्य शिकायत सूचना की रिपोर्ट लिखती है और दूसरे पक्ष पर दवाब बनाकर पैसे वसूलते हैं। इस रेप पीड़िता की मां का कहना है कि वह नामजद शिकायत लगातार कर रही है लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट पर इन आरोपियों का नाम तक दर्ज नहीं किया। नाबालिक के साथ इस घटना को पुलिस सामान्य घटना मानकर काम कर रही है। हालांकि तीन दिन बाद नाबालिक बच्ची खुद ही वापस लौट आई। जिसके बाद पीड़ित अपनी मां के साथ कोतवाली में अंकुर, अमन और प्रकाश के खिलाफ मामला दर्ज कराने पहुंची है। सूत्रों का दावा है कि कोतवाली पुलिस कम पढ़े लिखे और अनपढ़ शिकायतकर्ताओं की सही शिकायत कभी लिखते ही नही। पुलिस अपने सहूलियत के अनुसार सामान्य मामला दर्ज कर दूसरे पक्ष पर विवेचना के नाम पर अवैध वसूली करते हैं।

शिकायत और विवेचना में होता है खेल रेत, मिट्टी, शराब, गांजा, हेरोइन, मेडिकल नशा में अवैध वसूली के अलावा शिकायत और विवेचना में जमकर प्रेशर और वसूली का खेल होता है। राजनीति और समाज से जुड़े लोगों का कहना है कि गुमशुदा, फ्रॉड, मारपीट, नकली सामान की प्राथमिक शिकायतों और विवेचना में पुलिस हर महीने लाखों रूपए का खेल है, पुलिस धाराओं का डर दिखा कर दोनों पक्षो से अलग-अलग बात कर दबाव बनाते हैं।हालांकि कहते हैं सिस्टम है नीचे से ऊपर तक पहुंचता है। चर्चा है कि पुलिस गंभीर गंभीर अपराधों की शिकायतों को भी गंभीरता से नहीं लेते। सामान्य रिपोर्ट मानकर प्राथमिक सूचना दर्ज कर लेती है और उसी में दोनों पक्षों से दवा बनाकर अवैध वसूली करती है।

गांव के अनपढ़ शिकायतकर्ता होते हैं शिकार

पीड़ित जब अपनी शिकायत थाने लेकर पहुंचते हैं तो पुलिस प्राथमिक सूचना रिपोर्ट लिखने में मनमानी करते हैं और गांव बालों के कम पढ़े लिखे होने का फायदा उठाती है और गंभीर मामलों में गुमशुदा की रिपोर्ट लिखकर यह कह दिया जाता है की विवेचना में धारा बढ़ा दी जायेंगी। इस बीच पुलिस को दो-तीन दिन का समय मिलता है और वह अपराधी के खिलाफ मामला दर्ज करने का डर दबाव बना कर पैसे वसूलते हैं। यह सब खेल सिर्फ अनपढ़ शिकायतकर्ताओं के साथ नहीं अच्छे-अच्छे पढ़े लिखे पैसे देकर जाते हैं। हालांकि अपने को पाक साफ करने के लिए पुलिस प्राथमिक शिकायत दर्ज कर लेते है।

निरीक्षक कपूर त्रिपाठी समेत उपनिरीक्षक शीतला यादव ने संभाला पदभार

सिंगरौली। बीते दिन 11 जुलाई को सिंगरौली पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने प्रशासनिक दृष्टिकोण के मद्देनजर जिले में तीन निरीक्षकों समेत पांच उपनिरीक्षकों को नवीन जिम्मेदारी सौपी है। जिसके बाद शनिवार सुबह निरीक्षक कपूर त्रिपाठी ने नवानगर थाने का पदभार ग्रहण कर लिया, वहीं खबर है कि निरीक्षक ज्ञानेंद्र सिंह ने थाना जियावन पहुंचकर नई जिम्मेदारी ले ली है। इसके अतिरिक्त संवेदनशील चौकी

खुटार में उपनिरीक्षक शीतला यादव ने पहुंचकर पदभार संभाला। गौरतलब है कि लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर रविवार को परसोना में भास्कर मिश्रा के नेतृत्व में चक्का जाम का आह्वान किया गया है। ऐसे में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कल खुटार चौकी प्रभारी समेत जिले के पुलिस बल को खासी मशक्कत करनी पड़ेगी। इसकी अतिरिक्त जिले में हुए पुलिस अधिकारियों के तबादले में उपनिरीक्षक विनय प्रकाश शुक्ला को थाना जियावन से चौकी प्रभारी निगरी बनाया गया है, जहां वह आगामी कुछ दिनों में पदभार ग्रहण कर लेंगे। गौरतलब है कि कुंदवार चौकी प्रभारी को लाइन अटैच करने एवं दो उपनिरीक्षकों के जिले से बाहर तबादले के बाद पुलिस अधीक्षक ने यह नवीन पदस्थापना की है, जिसमें नवानगर थाने में पदस्त अमन वर्मा को तिनगुड़ी का प्रभार तो वहीं उपनिरीक्षक आर के वर्मा को तिनगुड़ी से पुलिस लाइन बुलाया है। उपनिरीक्षक रामजी त्रिपाठी को थाना जियावन से चौकी प्रभारी कुंदवार बनाया गया है। इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निरीक्षक आराधना सिंह परिहार को पुलिस लाइन से महिला थाना प्रभारी की नवीन जिम्मेदारी दी गई है।

सोन-गोपद नदी उफान पर

सिंगरौली। सोन एवं गोपद नदी आज दिन शनिवार से उफान पर है। वही देवलोद बाणसागर डेम के आधा दर्जन गेट तकरीबन ढाई हजार क्यूमेक्स जल प्रवाह आज दिन शनिवार की दोपहर से ही छोड़ दिया गया है। जहां रात तक में सोन-गोपद नदी में और पानी जमा होने का खतरा मड़राने लगा है। वही एसडीएम ने सोनतीर इलाके के करीब तीन दर्जन गांवों के लोगों को सतर्क भी किया है। दरअसल यहां बताते चले कि जिले में इन दिनों बारिश का दौर चल रहा है।

आयुक्त ने इंद्रा चौक सड़क को कराया अतिक्रमण मुक्त

नगर निगम अमले ने पुलिस के सहयोग से अतिक्रमण पर की कार्यवाही

सिंगरौली

नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा के नेतृत्व में आज नवजीवन विहार इंद्रा चौंक रोड से अतिक्रमण हटा कर सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

विदित हो कि नवजीवन विहार , इंदिरा चौक पर कुछ दिनों से फल सब्जी बेचने वालों द्वारा सड़क के बीचोंबीच फल सब्जी का ठेला लगा कर सड़क में अतिक्रमण किया गया था। जिस कारण कभी भी आकस्मिक दुर्घटना घटित होने की संभावना बनीं रहती थी। इसी को दृष्टिगत रखतें हुए नगर निगम द्वारा यह कार्यवाही की गई। अतिक्रमण कार्यवाही में विंध्यानगर थाना पॉलिश का भी सहयोग रहा ।निगम के अतिक्रमण अमले द्वारा इंदिरा चौक से लेकर नगर निगम उप कार्यालय, नव जीवन विहार तक की सड़क सड़क से अतिक्रमण हटाने की करवाई की गई ।इस कार्यवाही में सहायक यंत्री आलोक टीरु, प्रभारी अधिकारी नवजीवन विहार संतोष तिवारी , उपयंत्री विष्णु पाल ,स्वच्छता निरीक्षक पवन ,विशाल सोनी , असिस्टेंट मैनेजर रोहित चौरसिया, उप स्वच्छता पर्यवेक्षक एवं यातायात पुलिस विभाग से यातायात थाना प्रभारी दीपेंद्र कुशवाहा एवं उनकी टीम उपस्थित रही।

नदी में बोरे में बंद मिला एक अज्ञात युवक का शव, हत्या की आशंका से फैली सनसनी

सिंगरौली। शनिवार की सुबह गोपद नदी के तट पर उस वक्त सनसनी फैल गई जब धोरबंधा गांव के कुछ ग्रामीणों को नदी के बीच एक बोरा बहता हुआ दिखाई दिया। जब पास जाकर देखा गया तो उस बोरे से किसी इंसान का पैर बाहर निकला हुआ था। यह नजारा देखकर ग्रामीणों के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही सरई और भुईमाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कुछ ही देर में लंघाडोल पुलिस भी अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। चूंकि घटनास्थल दो प्रशासनिक सीमाओं के बीच में था, इसलिए स्थिति को स्पष्ट करने के लिए वन विभाग और राजस्व टीम की मदद से स्थल की नाप-जोख कराई गई। जांच में पुष्टि हुई कि शव लंघाडोल थाना क्षेत्र के

अंतर्गत आता है।उल्लेखनीय है कि सरई थाना क्षेत्र के गोरा गांव से 23 वर्षीय युवक पुष्पेंद्र साहू पिछले कुछ दिनों से लापता है, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले ही दर्ज है। जब अज्ञात शव मिलने की सूचना परिजनों को मिली तो वे भी मौके पर पहुंच गए। लंघाडोल पुलिस ने बोरा काटकर शव को बाहर निकाला और पहचान के लिए परिजनों को बुलाया गया। शव बुरी तरह सड़ चुका था, बावजूद इसके परिजनों ने गहनता से निरीक्षण कर यह स्पष्ट किया कि शव पुष्पेंद्र का नहीं है। इसके बाद लंघाडोल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरई भेज दिया और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में हत्या की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि शव को बोरे में बंद कर नदी में फेंका गया था। घटनास्थल पर भुईमाड़ थाना प्रभारी डी.डी. सिंह, मड़वास थाना प्रभारी भूपेश बैस, देवसर एसडीओपी राहुल कुमार सैयाम, लंघाडोल थाना प्रभारी पुष्पेंद्र धुर्वे सहित पुलिस बल की मौजूदगी रही।

चार दिन से अंधेरे में गोरबी वासी, परेशान उपभोक्ता

शिकायत के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था, लाइनमैन रहता है नशे में चूर

सिंगरौली। सभी स्टेशन बरगवां क्षेत्र के गोरबी बाजार में चार दिन से बिजली व्यवस्था बे पटरी है। चार दिन से बिजली नहीं होने के चलते आम उपभोक्ता हलकान हो चुका है शिकायत के बावजूद बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारी व्यवस्था नहीं सुधरवा पा रहे हैं। वही लाइनमैन हमेशा नशे में चूर रहता है जिसके चलते बिजली व्यवस्था और बदहाल बनी रहती है।

आलम यह है कि गोरबी बाजार में तकरीबन 4 दिन से बिजली व्यवस्था बदहाल पड़ी हुई है। बताया जाता है कि चार दिन से बिजली नहीं होने के चलते आम उपभोक्ताओं का जीना दुश्वार हो गया है जबकि इन दिनों बारिश का मौसम चल रहा है और उमस भरी गर्मी जीना दुश्वार कर दिया है। किसी तरीके से तो दिन गुजर जा रहा है लेकिन राते नहीं गुजर रही है। बिजली गुल होने के चलते रात के अंधेरे में हमेशा डर सताए रहता है कि कहीं जहरीले कीड़े मकोड़े घरों में प्रवेश न कर जाएं और कोई अनहोनी हो जाए। स्थानीय उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग को कई बार सूचना दे चुके हैं और वही 1912 पर भी सूचना दी है लेकिन चार दिन से बदहाल बिजली व्यवस्था को सुधरवाने में बिजली विभाग कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है आखिर बिजली कहां से फाल्ट है क्या अड़चने आई है कोई भी अधिकारी कुछ भी बताने को

तैयार नहीं। ऐसे में आम उपभोक्ता बिजली विभाग के इस कार्य प्रणाली से काफी आक्रोश में है।

1912 महज बन गई खानापूर्ति

बिजली विभाग कि शिकायत के लिए मध्य प्रदेश सरकार 1912 टोल फ्री नंबर जारी किया है ताकि आम उपभोक्ता अपनी शिकायत डायरेक्ट दर्ज करा कर उसका निराकरण करवा सके। लेकिन यह टोल फ्री नंबर अब सिर्फ महज खाना पूर्ति तक सीमित होकर रह गया है। इस टोल फ्री नंबर के माध्यम से हजारों शिकायत पड़ी रहती है। लेकिन उन शिकायतों का निराकरण नहीं हो पता है नहीं समाधान की सूचना दी जाती है और शिकायत को क्लोज कर दिया जाता है।

नशे में धुत्त रहता है लाइनमैंन

गोरबी के बिजली उपभोक्ताओं ने बताया कि गोरबी में जो लाइनमैन बिजली विभाग के द्वारा तैनात किया गया है वह तो कभी आता ही नहीं। अगर आता भी है तो बाजार में शराब पीकर मदमस्त रहता है। आम जनता लाइनमैन को फोन भी करती है तो वह सुनता नहीं है। ऐसे में गोरबी बाजार की बिजली व्यवस्था इस लाइनमैन के चलते और भी बद हाल बनी रहती है।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के पात्र हितग्राहियों के खाते में राशि अंतरित की

सीधी जिले की 2 लाख से अधिक महिलाओं के खाते में 25 करोड़ 48 लाख से अधिक की राशि डाली गई

सीधी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के उज्जैन जिले के नलवा में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को रूपये 1543.16 करोड़ की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से उनके बैंक खातों में अंतरित की गई। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से 56.74 लाख से अधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को 340 करोड़ रुपए की राशि भी जारी की। इसी क्रम में 30 लाख से अधिक बहनों को सिलेण्डर रिफिलिंग के लिए 46.34 करोड़ रूपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के अंतर्गत सीधी जिले के 02 लाख 9 हजार 796 पात्र महिलाओं के खाते में प्रति महिला एक हजार 250 रूपये के मान से 25 करोड़ 48 लाख 2 हजार 150 रूपये की राशि अंतरित की गई। इसके साथ ही उज्ज्वला योजना अंतर्गत गैस रिफिल के लिए सीधी जिले के 46573 हितग्राहियों को 57 लाख 56 हजार 414 रूपये की राशि अंतरित की गई। कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास प्रवेश मिश्रा, परियोजना अधिकारी चुरहट शिवानंद शुक्ला सहित संबंधित विभागीय अधिकारी कर्मचारी तथा हितग्राहियों द्वारा सहभागिता की गई।

जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत जिले में 02 लाख 9 हजार 796 पात्र हितग्राहियों के खाते में राशि अंतरित की गई है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अन्तर्गत जनपद पंचायत कुसमी में 17 हजार 404 महिलाओं, जनपद पंचायत मझौली में 29 हजार 220, जनपद पंचायत रामपुर नैकिन में 44 हजार 128, जनपद पंचायत सीधी में 54 हजार 630 तथा जनपद पंचायत सिहावल में 51 हजार 584 महिलाओं के खाते में 1250 रूपये के मान से राशि अंतरित की गई। कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के साथ ही नगरीय क्षेत्र की महिलाओं को भी लाभांवित किया गया। इसमें नगर पालिक सीधी में 06 हजार 157, नगर परिषद चुरहट में 02 हजार 433, नगर परिषद मझौली में 02 हजार 95 तथा नगर परिषद रामपुर नैकिन में 02 हजार 145 महिलाओं के खाते में 1250 रूपये प्रत्येक महिला के मान से राशि अंतरित की गई।

राज्यस्तरीय कार्यक्रम में सीधी जिले के 01 लाख 07 हजार 743 पात्र हितग्राहियों के खाते में 06 करोड़ 46 लाख 45 हजार 800 रूपये की राशि अंतरित की गई। जनपद पंचायत कुसमी के 7274, मझौली के 13808, रामपुर नैकिन के 22505, सीधी के 28702 एवं सिहावल के 29352 पात्र हितग्राहियों को 600 प्रति हितग्राही के मान से राशि अंतरित की गई। इसी प्रकार नगरीय निकाय अंतर्गत सीधी के 2532, मझौली के 1187, चुरहट के 1282 एवं रामपुर नैकिन के 1101 पात्र हितग्राहियों के खाते मे राशि अंतरित की गई। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना के 56446, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के 12062, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय नि:शक्तजन योजना के 2271, मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन योजना के 713, मंदबुद्धि/वहुविकलांग को आर्थिक सहायता योजना के 1661, सामाजिक सुरक्षा पेंशन वृद्धा योजना के 9011, सामाजिक सुरक्षा पेंशन परित्यक्ता पेंशन योजना के 293, सामाजिक सुरक्षा पेंशन नि:शक्त पेंशन योजना के 7471, दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन सहायता राशि के 2418, सामाजिक सुरक्षा पेंशन कल्याणी पेंशन योजना के 15384, मुख्यमंत्री अविवाहिता पेंशन योजना के 13 हितग्राहियों के खाते में 600 रूपये के मान से राशि अंतरित की गई।

म.प्र. शासन की अनूठी योजना

सुपर 100 योजना : सुरक्षित भविष्य के साथ शिक्षा

शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल और मल्हार आश्रम इंदौर में कक्षा 11वीं में प्रवेश का सुनहरा अवसर

सीधी। एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्र ने जानकारी दे कर बताया कि सुपर 100 योजना अंतर्गत प्रदेश के विद्यार्थियों को चयनित कर उन्हे शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय शिवाजी नगर भोपाल एवं शासकीय मल्हार आश्रम उ.मा.वि. इंदौर में कक्षा 11वीं में प्रवेश दिलाया जाता है। यहाँ उन्हे कक्षा 11वीं एवं बाद में कक्षा 12वीं के शिक्षण के साथ ही जेईई (इंजीनियरिंग) नीट (मेडिकल) एवं क्लैट हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये 02 वर्षीय कोचिंग कराई जाती है। प्रवेश उपरांत इन विद्यार्थियों के सम्बंधित विद्यालय के छात्रावास में आवास भोजन शिक्षण एवं कोचिंग की नि:शुल्क व्यवस्था शासन द्वारा की जाती है।

प्रदेश के शासकीय विद्यालयों के मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी पात्र होंगे। नि:शुल्क छात्रावास सुविधा प्रख्यात व्यवसायिक संस्थाओं में प्रवेश हेतु बेहतर शिक्षण व्यवस्था पृथक-पृथक प्रयोगशालायें स्मार्ट एवं वर्चुअल क्लासेस शिक्षण हेतु चयनित स्टाफ अन्य पाठ्येत्तर गतिविधि। इस योजनार्न्तगत कुल 356 विद्यार्थी अध्ययन करेंगे जिनमें गणित में 127 जीव विज्ञान में 127 एवं कामर्स में 102 सीट है। शास. सुभाष उत्कृष्ट उ.मा.वि. भोपाल में गणित विषय की 76 सीट जीव विज्ञान विषय की 76 सीट और 51 कामर्स की सीट है। जबकि शासकीय मल्हार आश्रम उ.मा. विद्यालय इन्दौर में गणित विषय की 51 सीट जीव विज्ञान विषय की 51 सीट और 51 कामर्स की सीट है। जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने प्राचार्यो को पत्र लिख कर वर्ष 2025-26 प्रवेश परीक्षा के आयोजन के पूर्व सुपर 100 योजना के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराने और इस योजना के बारे में जानकारी देने का निर्देश जारी किया है ताकि अधिक से अधिक छात्रों को इस योजना का लाभ प्राप्त हो सके।

जोगदहा पुल की भौतिक जांच करने के निर्देश

सीधी। जिला सीधी में हो रही अत्यधिक वर्षा के कारण आमजन के सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये अपर जिला दण्डाधिकारी ने उपखण्ड दण्डाधिकारी सिहावल को निर्देशित किया है कि कार्यपालन यंत्री, सेतु निगम जिला सीधी से समन्वय स्थापित कर मौके से सोन पुल (जोगदहा) का भौतिक जांच कर यह सुनिश्चित करें कि क्या उक्त पुल वाहनों के आवागमन के लिये पूर्णत: सुरक्षित हैं। यदि नहीं तो उक्त पुल के दोनों तरफ एक पुलिस आरक्षक एवं एक पटवारी का शिफ्ट में ड्यूटी नियत कर सुनिश्चित करायें कि कोई भी भारी वाहन पुल पर से न गुजरे।

अतिवर्षा के दृष्टिगत नदी-नालों पर निर्मित पुलों के भौतिक जांच के निर्देश

सीधी। सीधी एवं आस-पास के अन्य जिलों में अत्यधिक वर्षा के कारण नदियों/नालों में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो रही है। आमजन एवं वाहनों के आवागमन में कोई समस्या न हो इसके लिये जिला अंतर्गत समस्त नदी/नालों पर निर्मित पुलों का भौतिक रूप से जांच कराया जाना आवश्यक है। अपर जिला दण्डाधिकारी ने आदेश जारी कर संबंधित क्षेत्र के उपखण्ड दण्डाधिकारी की अध्यक्षता में जांच दल गठित कर निर्देशित किया है कि जिला अंतर्गत समस्त नदी/नालों पर निर्मित पुलों को संयुक्त रूप से जांच करें एवं दिनांक 14.07.2025 को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित टीएल बैठक में दल सहित उपस्थित होकर जानकारी प्रस्तुत करें। जारी आदेशानुसार संबंधित उपखण्ड दण्डाधिकारी दल के अध्यक्ष होंगे। इसी प्रकार संबंधित अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, संबंधित तहसीलदार, संबंधित अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संबंधित अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित थाना प्रभारी दल के सदस्य होंगे।

अरूणोदय बाल गृह में हुआ विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर

सीधी। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में विशेष न्यायाधीश लैंगिक अपराधों से बालकों का सरंक्षण अधिनियम सह प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश सीधी के न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश सुश्री उर्मिला यादव तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री मुकेश कुमार शिवहरे, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक द्वारा आज दिनांक 12.07.2025 को अरूणोदय बाल गृह जिला सीधी का निरीक्षण किया गया। साथ ही विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सुश्री यादव ने नालसा द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं की जानकारी के साथ बाल अधिकारों पर केन्द्रित योजनाओं की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त श्री शिवहरे ने बच्चों को मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य के संबंध में विस्तार से समझाया। शिविर में जिला न्यायाधीश सुश्री उर्मिला यादव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री मुकेश कुमार शिवहरे, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक, अरूणोदय बाल गृह की अधीक्षक श्रीमती निर्मला सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी श्री रूपेन्द्र कुमार मिश्रा, श्री राजेश प्रताप सिंह एवं अरूणोदय बाल गृह का स्टाफ उपस्थित रहा।

हत्या के चिन्हित मामले में आरोपी को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा

सीधी। बताया गया कि घटना 18.03.2022 को शाम 04.00 बजे के लगभग फरियादी गोविन्द पटेल अपने घर में बैठा हुआ था तभी अभियुक्त पुष्पेन्द्र पटेल आया और उसे मां-बहन की गाली देने लगा और उससे यह कहने लगा कि, उसका लड़का वीरेन्द्र कहा है वह उसको जान से मार देगा, आवाज सुनकर वीरेन्द्र घर से निकला अभियुक्त पुष्पेन्द्र पटेल ने उसे खटिया (चारपाई) की पाटी (मोटा डण्डा) से सिर में मारा, अभियुक्त पुष्पेन्द्र ने आहत गोविन्द के कंधे में भी पाटी से मारा तभी अभियुक्त रमेश और प्रेमलाल डण्डा लेकर घटना स्थल पर आये और आवाज सुनकर भैयालाल पटेल, अंजू पटेल, मुन्नी पटेल और मनीषा पटेल आ गये। अभियुक्त रमेश अंजू को घसीटने लगा और प्रेमलाल ने उसे डण्डा से माथे में और दाहिनी हांथ में मारा तभी अभियुक्त संतोषिया भी आ गई, पुष्पेन्द्र पटेल ने पाटी से और रमेश पटेल ने डण्डा से भैयालाल को सिर व दाहिने पैर में तथा दाहिने हांथ में, अभियुक्त रमेश ने मनीषा पटेल के सिर में मारा। संतोषिया पटेल और प्रेमलाल पटेल ने डण्डा से मुन्नी पटेल के पीठ व दाहिने हांथ में मारा। आवाज सुनकर सुखपति और राजनाथ पटेल घटना स्थल पर आये और बीच-बचाव किया, सभी आहतगण सरकारी अस्पताल सिहावल गये, पुष्पेन्द्र को भर्ती कराया गया और उसके बाद घटना की सूचना थाना अमिलिया मे दी।आहत वीरेन्द्र को सिहावल अस्पताल से जिला अस्पताल सीधी और फिर मेडिकल कालेज रीवा रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान दिनांक-23.03.2022 को वीरेन्द्र पटेल की मृत्यु हो गई । प्रकरण को माननीय पुलिस अधीक्षक सीधी द्वारा जघन्य- एवं सनसनीखेज प्रकरण की श्रेणी में चिन्हित कर विवेचना के निर्देश जारी किये गये।

जिले में औसत वर्षा 551.6 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा सिहावल में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 12 जुलाई को सीधी जिले में 132.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 189.0 मि.मी., चुरहट में 170.0 मि.मी., गोपद बनास में 186.8 मि.मी., सिहावल में 113.4 मि.मी., बहरी में 125.6 मि.मी., मझौली में 84.0 मि.मी. और कुसमी में 60.3 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 551.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 12 जुलाई तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 664.6 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 454.0, चुरहट में 495.0, गोपद बनास में 496.8, बहरी में 588.7 मझौली में 625.0 मि.मी. और कुसमी में 537.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 162.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 389.0 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

जेल में हुआ विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

सीधी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल सीधी द्वारा जिला जेल सीधी में विधिक साक्षरता तथा जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

शिविर के माध्यम से जानकारी देते हुए जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अभिरक्षा में निरूद्ध प्रत्येक व्यक्ति को नि:शुल्क विधिक सहायता के अंतर्गत अधिवक्ता की सहायता उपलब्ध कराई जाती है। श्री कौशिक ने बंदियों को उनके विधिक अधिकारी एवं प्रत्येक बंदियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनके प्रकरणों की यथास्थिति से अवगत कराया साथ ही अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी के मापदंड अनुरूप चिन्हित किया गया। श्री कौशिक ने कहा कि कारागार प्रायश्चित करने का माध्यम है और प्रत्येक बंदी का यह कर्तव्य होना चाहिए कि कारागार से बाहर निकलने पर वह समाज का एक सभ्य नागरिक बनकर अपना जीवन व्यतीत करे और देश के विकास में अपना सहयोग प्रदान करे।

चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने नि:शुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि नि:शुल्क विधिक सहायता तहसील एवं जिला न्यायालय के साथ माननीय उच्च न्यायालय में उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति तथा माननीय उच्चतम न्यायालय में उच्चतम न्यायालय विधिक सेवा समिति के माध्यम से उपलब्ध होती है। इस दौरान जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा जेल का निरीक्षण किया गया तथा जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, उप जेल अधीक्षक श्री कृष्ण कुमार तिवारी, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री विनोद कुमार श्रीवास्तव, श्री बाबूलाल सिंह, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री सत्यप्रकाश पाण्डेय, श्री देवेन्द्र प्रसाद द्विवेदी सहित समस्त जेल स्टाफ उपस्थित रहे।

पश्चिम मध्य रेल

कार्यालय कलेक्टर, जिला सीधी एवं पदेन उप सचिव (म0प्र0)
शासन राजस्व विभाग

क्रमांक /1885/ भू-अर्जन/ 2025 सीधी,दिनांक 07/07/2025

अधिसूचना

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इस संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (5) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (5) में उसके सामने दिए गए सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। अतः भूमि-अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-11 की उपधारा(1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि कोई भी व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इस अधिनियम के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने तक अधिसूचना में विर्निदिष्ट भूमि का कोई संव्यवहार नहीं करेगा, या कोई संव्यवहार नहीं करायेगा अथवा ऐसी भूमि पर कोई विलंगम सृजित नहीं करेगा। राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (4) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा-12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है। यह परियोजना आम जनता के व्यापक एवं दूरगामी हितों से सम्बन्ध है तथा यह कार्य ललितपुर-सीधी-सिंगरौली रेल लाईन निर्माण कार्य का भाग है, जो भारत सरकार द्वारा मूलतः वर्ष 1997-98 में स्वीकृत हुआ हैं। यह अर्जन की कार्यवाही रेखिक दिशा में हो रही है तथा इससे क्षेत्र में परिवारों का विस्थापन कम संख्या में होगा। अतः उपर्युक्त कारणों से इसमें सामाजिक समाघात के निर्धारण अध्ययन की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है।

अनुसूची :- (1) भूमि का वर्णन - (क) जिला-सीधी, (ख) तहसील - बहरी, (ग) ग्राम - कुबरी, (घ) पटवारी हल्का-कुबरी, (ड) निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल - रकबा 0.074 हे0

क्रमांक	खसरा नम्बर	अर्जन हेतु रकवा हे0 में
1	2	3
1	17/1/1/2/1	0.012
2	17/1/1/1/1	0.012
3	294/1	0.045
4	121/1	0.003
5	295/1	0.002
निजी भूमि का योग-		0.074

क्रमांक /1889/ भू-अर्जन/ 2025 सीधी, दिनांक 07/07/2025
अनुसूची :- (1) भूमि का वर्णन - (क) जिला-सीधी, (ख) तहसील - बहरी, (ग) ग्राम - बेलहा, (घ) पटवारी हल्का - कुबरी, (ड) निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल - रकबा 0.1660 हे0

क्रमांक	खसरा नम्बर	अर्जन हेतु रकवा हे0 में
1	2	3
1	596	0.0150
2	590/2/1	0.0330
3	588/1	0.0340
4	587/2/1	0.0100
5	586/2/1	0.0015
6	586/1/2	0.0015
7	585	0.0320
8	584	0.0220
9	568/2	0.0150
10	568/3	
11	568/4	
12	566	0.0020
13	567/1	0.0050
निजी भूमि का योग		0.1660

क्रमांक /1891/ भू-अर्जन/ 2025 सीधी, दिनांक 07/07/2025
अनुसूची :- (1) भूमि का वर्णन - (क) जिला-सीधी, (ख) तहसील - बहरी, (ग) ग्राम - खैरहा, (घ) पटवारी हल्का - खैरहा, (ड) निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल - रकबा 0.057 हे0

क्रमांक	खसरा नम्बर	अर्जन हेतु रकवा हे0 में
1	2	3
1	95/2/1/2	0.050
2	90/3	0.007
3	90/2	
4	90/1	
निजी भूमि का योग-		0.057

क्रमांक /1893/ भू-अर्जन/ 2025 **सीधी, दिनांक 07/07/2025**
अनुसूची :- (1) भूमि का वर्णन - (क) जिला-सीधी, (ख) तहसील - बहरी, (ग) ग्राम - भितरी, (घ) पटवारी हल्का - भितरी, (ड) निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल - रकबा 0.0423 हे0

क्रमांक	खसरा नम्बर	अर्जन हेतु रकवा हे0 में
1	2	3
1	501/2/2	0.120
2	501/2/1	
3	501/1	
4	441/1/1	0.015
5	441/2	
6	441/3	
7	477/1/1	0.057
8	477/2/1	
9	477/3/1	
10	477/4/1	
11	477/5/1	
12	477/6/1	
13	477/7/1	
14	477/8/1	
15	478/1/1	0.025
16	478/2/1	
17	486/1/1	0.027
18	486/1/3	
19	487/1	0.055
20	489/1	0.042
21	491/1/1	0.076
22	495/1/1	0.006
23	495/1/3	
24	495/2/1	
25	495/3/1	
26	495/4	
निजी भूमि का योग		0.423

क्रमांक /1897/ भू-अर्जन/ 2025 सीधी, दिनांक 07/07/2025
अनुसूची :- (1) भूमि का वर्णन - (क) जिला-सीधी, (ख) तहसील - बहरी, (ग) ग्राम - मझरेटी-खुर्द, (घ) पटवारी हल्का - मझरेटी-खुर्द,(ड) निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल-रकबा 0.0340 हे0

क्रमांक	खसरा नम्बर	अर्जन हेतु रकवा हे0 में
1	2	3
1	7/2/1	0.0300
2	7/4/1/1	0.0040
निजी भूमि का योग-		0.0340

क्रमांक /1899/ भू-अर्जन/ 2025 सीधी, दिनांक 07/07/2025
अनुसूची :- (1) भूमि का वर्णन - (क) जिला-सीधी, (ख) तहसील - बहरी, (ग) ग्राम - मऊ, (घ) पटवारी हल्का - खैरा,(ड) निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल-रकबा 0.0970 हे0

क्रमांक	खसरा नम्बर	अर्जन हेतु रकवा हे0 में
1	2	3
1	280/1	0.0450
2	275	0.0120
3	165	0.0400
निजी भूमि का योग-		0.0970

क्रमांक /1901/ भू-अर्जन/ 2025 सीधी, दिनांक 07/07/2025
अनुसूची :- (1) भूमि का वर्णन - (क) जिला-सीधी, (ख) तहसील - बहरी, (ग) ग्राम - कुशियारी, (घ) पटवारी हल्का - कुबरी, (ड) निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल -रकबा 0.366 हे0

क्रमांक	खसरा नम्बर	अर्जन हेतु रकवा हे0 में
1	2	3
1	568/1	0.023
2	572/1	0.012
3	580/1	0.012
4	614/3	0.020
5	621/1/1	0.019
6	623/1	0.010
7	625/2/1	0.032
8	626/1	0.012
9	629/2/1	0.032
10	630/2/1	0.060
11	631/1/1	0.005
12	631/1/3	0.014
13	673	0.034
14	674	0.015
15	678/1/1	0.050
16	699/1	0.016
निजी भूमि का योग		0.366

धारा-12 के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी : उप मुख्य अभियन्ता (निर्माण) पश्चिम मध्य रेलवे सीधी
सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन : ललितपुर-सिंगरौली रेल लाईन के निर्माण हेतु

भूमि का नक्शा (प्लान) उपखण्ड अधिकारी सिहावल के कार्यालय में देखा जा सकता है।

कलेक्टर एवं पदेन, उपसचिव म0प्र0शासन राजस्व विभाग।
म0प्र0 राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

संपादकीय

सुझाव पर अमल हो

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में वोटर लिस्ट की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। आधार और राशन कार्ड को मान्य दस्तावेजों की लिस्ट से बाहर रखने के कारण बड़ी आबादी के सामने संकट खड़ा हो गया है। हमारे सहयोगी झल्द्ध की रिपोर्ट के मुताबिक, केवल किशनगंज जिले में एक हफ्ते के भीतर निवास प्रमाण पत्र के लिए दो लाख से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। कई जगह घर-घर जाकर इन्यूमेंशन फार्मस बांट रहे कर्मियों ने लोगों से कहा है कि वे आधारकार्ड की कॉपी ही जमा करा दें। इस तरह के कंफ्यूजन से बेहतर है, आयोग बीच का रास्ता निकाले। शीर्ष अदालत ने स्पेशन इंटेशिप रिवीजन यानी एसआईआर पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह बिल्कुल वाजिब है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह टाइमिंग भी है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मुद्दा लोकतंत्र की जड़ों से जुड़ा है और लोकतंत्र में सबसे अहम है लोक यानी जनता। लेकिन, चुनाव आयोग की मौजूदा प्रक्रिया में जनता को ही सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। यह रिवीजन जुड़ा है वोटर लिस्ट से, लेकिन मेसेज जा रहा है कि इससे नागरिकता तय होगी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी से राहत मिलेगी कि निर्वाचन आयोग का किसी व्यक्ति की नागरिकता से कोई लेना-देना नहीं। यह मामला केवल बिहार तक सीमित रहने वाला नहीं है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को गति देने के लिए मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाबों, अमृत सरोवरों और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। साथ ही पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी किया गया है। इस अभियान में 2 लाख 39 हजार जलदूतों का सक्रिय सहयोग मिला, जिन्होंने जल संवर्धन के संदेश को घर-घर तक पहुँचाया। ये जलदूत जब गाँव-गाँव, नगर-नगर और घर-घर जल संरक्षण का संदेश लेकर पहुँचे तो एक सकारात्मक वातावरण भी बना और जल संरक्षण को लेकर समाज के भीतर एक जागरूकता भी आई। निःसंदेह, यदि यह जनजागरूकता स्थायी हो जाए तो जल गंगा संवर्धन अभियान की सबसे बड़ी सफलता होगी। अभियान को शुरू करते समय सरकार ने जो लक्ष्य तय किया था, उससे कहीं अधिक परिणाम धरातल पर प्राप्त हुआ है। जल संरक्षण के लिए 38 हजार नए खेत तालाबों का निर्माण किया गया है। खंडवा जिले में 254 करोड़ रुपये की लागत से 1 लाख से अधिक कुओं को रिचार्ज किया गया, जिसके लिए खंडवा को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इंदौर संभाग ने स्वच्छता और जल संरक्षण में नंबर-एक का स्थान हासिल किया है। ये दो प्रमुख उदाहरण हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान' से प्रदेश होगा जल-समृद्ध

(लोकेन्द्र सिंह राजपूत)

जल गंगा संवर्धन अभियान को गति देने के लिए मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाबों, अमृत सरोवरों और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। साथ ही पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी किया गया है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने अभिनव प्रयोगों से अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। मध्यप्रदेश में जल संरक्षण के लिए प्रारंभ हुआ 'जल गंगा संवर्धन अभियान' मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शी पहल है। निकट भविष्य में हमें इसके सुखद परिणाम दिखायी देंगे। शुभ प्रसंग पर शुभ संकल्प के साथ जब कोई कार्य प्रारंभ किया जाता है, तब उसकी सफलता के लिए प्रकृति एवं ईश्वर भी सहयोग करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर मध्यप्रदेश सरकार ने गुड़ी पड़वा (30 मार्च) से 30 जून तक प्रदेश स्तरीय 'जल गंगा संवर्धन अभियान' चलाकर जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया, जो जनांदोलन में परिवर्तित हो गया। सरकार को भी विश्वास नहीं रहा होगा कि जल संरक्षण जैसे मुद्दे को जनता का इतना अधिक समर्थन मिलेगा कि सरकारी अभियान असरकारी बन जाएगा और समाज इस अभियान को अपनी जिम्मेदारी के तौर पर स्वीकार कर लेगा। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत और इससे प्रेरित होकर प्रदेश में अनेक स्थानों पर जल स्रोतों को पुनर्जीवित किया गया, उनको व्यवस्थिति किया गया और वर्षा जल को एकत्र करने की रचनाएं बनायी गईं। कहना होगा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल और प्रतिबद्धता ने जल संरक्षण के इस अभियान को एक जनांदोलन का रूप दे दिया है, जिससे जल संरक्षण में अभूतपूर्व प्रगति हुई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को गति देने के लिए मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाबों, अमृत सरोवरों और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। साथ ही पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी किया गया है। इस अभियान में 2 लाख 39 हजार जलदूतों का सक्रिय सहयोग मिला, जिन्होंने जल संवर्धन के संदेश को घर-घर तक पहुँचाया। ये जलदूत जब गाँव-गाँव, नगर-नगर और घर-घर जल संरक्षण का संदेश लेकर पहुँचे तो एक सकारात्मक वातावरण भी बना और जल संरक्षण को लेकर समाज के भीतर एक जागरूकता भी आई। निस्संदेह, यदि यह जनजागरूकता स्थायी हो जाए तो जल गंगा संवर्धन अभियान की सबसे बड़ी सफलता होगी। अभियान को शुरू करते समय सरकार ने जो लक्ष्य तय किया था, उससे कहीं अधिक परिणाम धरातल पर प्राप्त हुआ है। जल संरक्षण के लिए 38 हजार नए खेत तालाबों का निर्माण किया गया है।

खंडवा जिले में 254 करोड़ रुपये की लागत से 1 लाख से अधिक कुओं को रिचार्ज किया गया, जिसके लिए खंडवा को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इंदौर संभाग ने स्वच्छता और जल संरक्षण में नंबर-एक का स्थान हासिल किया है। ये दो प्रमुख उदाहरण हैं। प्रदेश के अन्य जिलों में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है। समूचे मध्यप्रदेश में 70 हजार कुओं, बावड़ियों, नदियों और तालाबों का संरक्षण किया गया, जो जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करनेवाले हैं।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरित हैं। याद हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण के लिए जनांदोलन चलाने का आह्वान किया था। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से आग्रह किया कि वह अपने स्तर पर वर्षा जल के संरक्षण के लिए प्रयास करे। प्रधानमंत्री मोदी की पहलकदमी पर भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत 'कैच द रेन' अभियान को शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह अभियान व्यक्तियों, समुदायों और सभी हितधारकों को वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनाने तथा जल संरक्षण की पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इसी तर्ज पर 'जल गंगा संवर्धन अभियान' को जनता के बीच ले जाने का अनुकरणीय कार्य किया है। यह भी स्मरण रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव, दोनों ही प्रकृति, पर्यावरण एवं समाज के प्रति गहरी संवेदनाएं रखते हैं। राजनीति से इतर वे इन सब विषयों पर बात रखते हैं और लोगों को इस दिशा में प्रेरित भी करते हैं। उल्लेखनीय है कि अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 120वें संस्करण में प्रधानमंत्री मोदी ने जल संरक्षण को देश के लिए अत्यंत आवश्यक बताया था। उन्होंने जल संचय जन-भागीदारी अभियान के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि जो प्राकृतिक संसाधन हमें मिले हैं, उसे हमें अगली पीढ़ी तक सही सलामत पहुँचाना है। कहना होगा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान ने प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अकसर सरकारी अभियान विज्ञापनों एवं कागजों में दम तोड़ देते हैं या फिर उनकी सफलता सोशल मीडिया तक सीमित रह जाती है। यह आंदोलन अपने वांछित लक्ष्य से आगे निकल रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया है। उनका मानना है कि जल ही हमारे जीवन के अस्तित्व का आधार है, इसलिए इसकी एक-एक बूंद बचाना अनिवार्य है। उनकी गहरी प्रतिबद्धता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इस अभियान की देखरेख की जिम्मेदारी सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों को सौंपी है। लोग बड़ी संख्या में श्रमदान कर पानी को बचाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। जिला प्रशासन विशेष रूप से नदियों के किनारे देशी प्रजातियों के पौधे रोप रहा है। इससे जमीन के नीचे जल-स्तर बढ़ रहा है और मिट्टी को नुकसान से बचाया जा रहा है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य कर दिया गया है। स्कूल और कॉलेजों में जल-संरक्षण पर जन-जागरण अभियान, रैलियां, निबंध प्रतियोगिताएं, जल संवाद और 'जल प्रहरी' जैसी गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल मॉनिटरिंग और मूल्यांकन प्रणाली की व्यवस्था की गई है, जिसमें सभी गतिविधियों की जीआईएस ट्रैकिंग और इंपैक्ट वैल्यूएशन किया जा रहा है। सरकार ड्रोन से सर्वेक्षण, वैज्ञानिक तरीके से जलग्रहण क्षेत्र की मैपिंग और भू-जल पुनर्भरण तकनीकों का उपयोग कर रही है। इन सब प्रबंधों से स्पष्ट तौर पर प्रतीत होता है कि प्रदेश सरकार का यह अभियान मुख्यमंत्री के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यों में से एक है। इस अभियान का उद्देश्य केवल जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना ही नहीं, बल्कि उनकी निरंतर देखरेख और संरक्षण सुनिश्चित करना भी है। सरकार ने इन स्रोतों की सफाई, सीमांकन और पुनर्जीवन के लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया है। लोग बड़ी संख्या में श्रमदान कर जल संरक्षण में सहयोग कर रहे हैं।

इस अभियान के दूरगामी परिणाम अपेक्षित हैं। बारिश के मौसम में इसके और अधिक प्रभावी परिणाम दिखेंगे, जिससे भूजल स्तर में सुधार होगा, हरियाली बढ़ेगी और मिट्टी में नमी आएगी। इससे पूरे प्रदेश में जल संकट को दूर करने में सहायता मिलेगी। इसके अलावा, इस अभियान ने समाज की मनोवृत्ति पर भी सकारात्मक प्रभाव डाला है, जिससे जल संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह अभियान निश्चित रूप से मध्यप्रदेश को जल-समृद्ध राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। (लेखक सहायक प्राध्यापक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (मध्यप्रदेश) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सहयोग की शक्ति और सामाजिक समरसता का उत्सव

(ललित गर्ग)

इस वर्ष संयुक्त राष्ट द्वारा मान्यता प्राप्त यह 29वां अंतर्राष्टीय सहकारी दिवस और 101वां अंतर्राष्टीय सहकारी दिवस होगा। यह सहकारी आंदोलन का एक वार्षिक उत्सव है जो अंतर्राष्टीय सहकारी गठबंधन द्वारा 1923 से जुलाई के पहले शनिवार को मनाया जाता है।

हर वर्ष जुलाई के पहले शनिवार को अंतरराष्टीय सहकारिता दिवस मनाया जाता है। यह दिन सहकारी संस्थाओं की उपलब्धियों को रेखांकित करने और उनके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक योगदान को सम्मानित करने का अवसर होता है। सहकारिता एक ऐसा आंदोलन है जो 'एकता में शक्ति' की भावना को मजबूत करता है और लोकतांत्रिक, समावेशी और न्यायसंगत आदर्श समाज के निर्माण में सहायक बनता है। सहयोग की शक्ति और सामाजिक समरसता के इस उत्सव का 2025 की थीम है 'सहकारिताः एक बेहतर दुनिया के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान लाना।' यह थीम पर्यावरण-संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, और सामाजिक समावेशन जैसे विषयों को सहयोग के माध्यम से हल करने की प्रेरणा देती है। आज के समय में जब आर्थिक विषमता और सामाजिक असंतुलन बढ़ रहा है, सहकारिता एक वैकल्पिक और मानवीय मॉडल प्रस्तुत करती है। यह न केवल आर्थिक विकास की राह दिखाती है, बल्कि सामाजिक विश्वास, सह-अस्तित्व और भाईचारे को भी बढ़ावा देती है।

इस वर्ष संयुक्त राष्ट द्वारा मान्यता प्राप्त यह 29वां अंतर्राष्टीय सहकारी दिवस और 101वां अंतर्राष्टीय सहकारी दिवस होगा। यह सहकारी आंदोलन का एक वार्षिक उत्सव है जो अंतर्राष्टीय सहकारी गठबंधन द्वारा 1923 से जुलाई के पहले शनिवार को मनाया जाता है। इस उत्सव का उद्देश्य सहकारिता के बारे में जागरूकता बढ़ाना, संयुक्त राष्ट और अंतर्राष्टीय सहकारी आंदोलन के पूरक लक्ष्यों और उद्देश्यों को उजागर करना, संयुक्त राष्ट द्वारा संबोधित प्रमुख समस्याओं के समाधान में आंदोलन के योगदान को रेखांकित और विस्तारित करना है। संयुक्त राष्ट महासभा ने 2025 को अंतर्राष्टीय सहकारिता वर्ष के रूप में घोषित किया है। यह घोषणा 2012 में पहले सफल आयोजन के बाद की गई है और वैश्विक स्तर पर सतत विकास को बढ़ावा देने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है। दुनिया भर की सहकारी समितियां दिखाएंगी कि कैसे वे एकजुटता और लचीलेपन के साथ युद्ध, महामारी एवं प्राकृतिक आपदा संकट का सामना कर रही हैं और समुदायों को जन-केंद्रित और पर्यावरण की दृष्टि से न्यायसंगत पुनर्प्राप्ति की पेशकश कर रही हैं।

सहकारिता दिवस इस बात का प्रचार करने का अवसर है कि किस प्रकार मानव-केन्द्रित व्यवसाय मॉडल, जो स्वयं-सहायता और एकजुटता के सहकारी मूल्यों तथा सामाजिक उत्तरदायित्व और समुदाय के प्रति चिंता के नैतिक मूल्यों द्वारा समर्थित है, असमानता को कम कर सकता है, साझा समृद्धि का सृजन कर सकता है। सहकारी समितियां, जो आर्थिक सफलता को सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ संतुलित करने की अपनी अनूठी क्षमता के लिए जानी जाती हैं, उन्हें सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में देखा जाता है। संयुक्त राष्ट का प्रस्ताव सदस्य देशों को सहकारी समितियों के लिए एक सहायक कानूनी और नीतिगत माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसमें कृषि, वित्त और खुदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनके महत्व पर जोर दिया गया है।

अंतर्राष्टीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) ने इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया है। आईसीए के अध्यक्ष एरियल ग्वार्को ने इस घोषणा को संगठन के सतत विकास के लिए चल रहे प्रयासों के साथ संरेखित करने पर प्रकाश डाला। इस घोषणा से वैश्विक स्तर पर समानतापूर्ण और लचीली अर्थव्यवस्था बनाने में सहकारी समितियों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ने की उम्मीद है, खासकर जलवायु परिवर्तन और आर्थिक असमानता जैसी वैश्विक चुनौतियों के सामने। सहकारिता पर ध्यान केंद्रित करके, संयुक्त राष्ट का उद्देश्य टिकाऊ, समुदाय-केंद्रित समाधान प्रदान करने में मॉडल की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करना है।

सहकारिता, जिसे अंग्रेजी में कोआपरेटिव कहते हैं, एक ऐसा संगठन है जिसमें लोग स्वेच्छा से मिलकर काम करते हैं ताकि अपनी सामान्य आर्थिक, सामाजिक या सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। यह एक लोकतांत्रिक रूप से नियंत्रित व्यवसाय है जहां सदस्य ही मालिक होते हैं और व्यवसाय का संचालन और लाभ का वितरण भी सदस्यों के बीच ही होता है। सहकारिता का अर्थ है, 'मिलजुल कर काम करना' या 'आपस में सहयोग करना'। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें लोग स्वेच्छा से एक साथ मिलकर काम करते हैं, ताकि वे अपने सामान्य आर्थिक, सामाजिक या सांस्कृतिक लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें. सहकारिता का मुख्य उद्देश्य आपसी सहयोग, समानता और सामूहिक हित को बढ़ावा देना है। इसका मूल मंत्र है 'सभी के लिए एक, और एक सभी के लिए।'

भारत में सहकारिता की भावना एवं विचारधारा आजादी से पहले से जन-जन में रची-बसी है। भारत की जनता के स्वभाव में सहकारिता घुली मिली है, ये कोई उधार लिया विचार नहीं है। सहकारिता भारत के संस्कार में है। भारत में सहकारिता आंदोलन कभी भी अप्रासंगिक नहीं हो सकता। सहकारिता की जड़े 1904 के सहकारी ऋण समितियां अधिनियम से जुड़ी हैं। स्वतंत्रता के बाद यह आंदोलन और भी सशक्त हुआ। चाहे अमूल जैसी डेयरी सहकारी संस्थाएं हों या सहकारी बैंकों और किसान समितियां, उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में जब सहकारिता आंदोलन की सबसे अधिक जरूरत थी, तब यशस्वी एवं दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता मंत्रालय का गठन करके सहकार से समृद्धि के स्वप्न को साकार करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता को नये आयाम दिये हैं। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से करोड़ों किसानों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। सभी राज्यों के सहकारिता मंत्री अपने-अपने राज्यों में कृषि मंत्रियों के साथ समन्वय कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं ताकि आम लोगों के साथ-साथ धरती माता का स्वास्थ्य भी बेहतर हो सके।

गरीब कल्याण और गरीब उत्थान, बिना सहकारिता के सोचा नहीं जा सकता। नरेन्द्र मोदी के मन की इच्छा है कि छोटे से छोटे व्यक्ति को विकास की प्रक्रिया में हिस्सेदार बनाना, सहकारिता की प्रक्रिया से हर घर को समृद्ध बनाना और हर परिवार की समृद्धि से देश को समृद्ध बनाना, यही सहकार से समृद्धि का मंत्र है। देश पर जब-जब कोई विपदा आई है, सहकारिता आंदोलनों ने देश को बाहर निकाला है। कॉपरेटिव बैंक बिना मुनाफे की चिंता किए लोगों के लिए काम करते हैं क्योंकि, भारत के संस्कारों में सहकारिता है। आज देश में लगभग 91 प्रतिशत गांव ऐसे हैं जहां छोटी-बड़ी कोई न कोई सहकारी संस्था काम करती है। सहकारिता गरीबों और पिछड़ों के विकास के लिए है। राष्टीय सहकारिता विकास निगम-(एनसीडीसी) और सहकारिता मंत्रालय जैसे संस्थान इस क्षेत्र को संगठित और सशक्त बनाने का कार्य कर रहे हैं।

वर्ग पहेली 5790

1	2	3	■	4		5	■
6			7		■	8	9
■	■	10		■	11		
12	■		■	13			
14	15		16	■	17		■
18		■	19	20	■	21	22
23		24			■	■	
■	■		■	25			

संकेतः बाएं से दाएं

1. 18 अगस्त 1949 को इस देश ने संविधन अंगीकार किया (3)
4. लोहे को सोना बनाने वा एक कल्पित पत्थर (3)
6. भारत की राजनीतिक पार्टी जिसे 1994 में जॉर्ज फर्नांडिस और नीतिश कुमार ने मिलकर बनाई थी (5)
8. वचन, प्रतिज्ञा, इकरार (2)
10. कदम, डग, नई साड़ी के किनारे पर लगाने वाला कपड़ा (2)
11. जल देने वाला, नीरद, मेघ (3)
13. डकैती, लूट (4)
14. अभियोग, याचिका (4)
17. सूजी, कण (2)
18. मनोयोग से लगा हुआ, मशगूल, व्यस्त (2)
19. बेफिक्रा, निश्चित (2)
21. सिलवट, ऐंठ, मरोड़, शक्ति (2)
23. तनने वाला (5)
25. इस द्वीप समूह में मूंगे के लगभग 1200 छोटे-छोटे द्वीप है जिसकी राजधानी माले है (4)

ऊपर से नीचे

1. बत्तख की तरह का एक जल पक्षी जो प्रायः बड़ी-बड़ी झीलों में रहता है (2)
2. दुख, शोक, रंज, चिंता (2)
3. भारत की पहली महिला जो विश्व सुंदरी बनी (1966)(5)
4. पक्ष, राजनीतिक दल, गुट, समूह (2)
5. प्रश्न-उत्तर, जिरह (6)
7. नाव के मस्तूल से बांधा जाने वाला लंबा-चौड़ा कपड़ा, पालने वाला (2)
9. देय वस्तु, देने योग्य, दातव्य (3)
11. विष, गरल, हलाहल (3)
12. घृणा, घिन्न (4)
15. रिक्त होना, खाली होना (3)
16. हिंसक, फाड़ खाने वाला जंतु (3)
20. बांस की चटाई को यह भी कहते है (3)
22. सटापन, अटैचमेंट, लगे होने का भाव (3)
23. समाकार, समकोटीय, अनंतर, सदृश्य (2)
24. अन्य पुरूष, वो (2)

वर्ग पहेली 5789 का हल

पा	मी	र	■	■	ज	या	ना
क	ल	मी	■	मि	■	द	म
हा	■	■	स	ला	मी	■	■
ला	ला	ला	ज	प	त	रा	य
■	वा	र	ना	■	■	त	म
वा	रि	■	ध	र	ती	■	दू
■	स	ह	ज	■	ज	ग	त
■	■	म	ना	व	न	■	■

हर कोई दिख रहा है, पर कोई जी भी रहा है क्या

(सुंदरचंद ठाकुर)

हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जहां सब कुछ 'दिखता' है - चेहरे, मुस्कराहटें, उपलब्धियां, रिश्ते, यात्राएं, यहां तक कि दुःख भी। सोशल मीडिया ने हमें एक ऐसा दर्पण दे दिया है जिसमें हम लगातार खुद को दिखा रहे हैं, पर बहुत कम लोग हैं जो अपने भीतर झांक पा रहे हैं। हर कोई व्यस्त है - किसी मीटिंग में, किसी ट्रैफिक में, किसी स्क्रीन पर। लेकिन अगर थोड़ा रुककर देखें, तो समझ आता है कि यह व्यस्तता कहीं भागने की कोशिश भी है। कहां से? शायद उस सन्नाटे से जो भीतर है। उस सवाल से, जिसका उत्तर हमारे पास नहीं है 'क्या मैं सच में जी रहा हूं?'

हम जीने की जगह अब 'कंटेंट'बना रहे हैं। जीवन अब अनुभव नहीं, प्रदर्शन बन गया है। हर भोजन, हर यात्रा, हर भाव एक तस्वीर है - जिसे कैद करना है, सजाना है, और दूसरों को दिखाना है। पर इस सारी भाग-दौड़ में, क्या हम अपने आप से मिल पा रहे हैं? भीतर एक अजीब-सी खामोशी है, जो चिल्ला रही है। पर हम उसे सुनना नहीं चाहते। क्योंकि वो खामोशी हमें आईना दिखा सकती है कि हम शायद मुस्करा तो रहे हैं, पर खुश नहीं हैं। हमारे पास विकल्प हैं, सुविधाएं हैं, पर सुकून नहीं है। हमें दूसरों को दिखाने के लिए ही सब करना है, यह सोच हमें थका रही है।

हम अपने मन का नहीं, एल्गोरिदम का अनुसरण कर रहे हैं। यह जो 'दिखने' की चाह है, उसने हमारे 'होने'की संवेदना को दबा दिया है। हमने कई रिश्ते सिर्फ इसीलिए बनाए कि 'वे हमारे प्रोफाइल में अच्छे लगेंगे।' कई जगह सिर्फ इसीलिए गए कि 'लोग सोचें कि हम कितने लाइफस्टाइल वाले हैं।' हमने बहुत कुछ जी ही नहीं पाए क्योंकि हम उसे दिखाने में लगे रहे। और यही सबसे बड़ी त्रासदी है कि हम जीने के पल को खोते जा रहे हैं। जीवन कोई फ़ीड नहीं है जिसे हर दिन अपडेट करना हो। यह एक बहती नदी है जिसमें डूबकर ही उसका अर्थ समझा जा सकता है। लेकिन हम तो हर पल फोटो खींचने की कोशिश में हैं भीगने से डरते हुए।

कभी-कभी रात में जब सब शांत हो जाता है तब वह सच्चाई उभरती है। जब कोई स्क्रीन नहीं होती, कोई शोर नहीं होता, तब मन पूछता है क्या मैं सच में संतुष्ट हूँ? और उस समय न फॉलोअर्स की, न व्यूज़ की कोइ भी संख्या उस खालीपन को भर नहीं सकती। जरूरत है कि हम फिर से जीवन के साथ ईमानदारी से जुड़ें। अपनी आँखों से देखें, न कि कैमरे से। एक दोस्त से बात करें, बिना रिकॉर्ड किए। किसी गाने को सिर्फ महसूस करें, बिना पोस्ट किए। हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा मैं यह क्यों कर रहा हूँ? क्या यह मेरी आत्मा की पुकार है या बस एक और स्टोरी डालने की मजबूरी?

दिखना बुरा नहीं है, पर जब दिखना ही जीने से बड़ा हो जाए तब जीवन खो जाता है। हमारे पूर्वजों ने कम दिखाया, ज्यादा जिया। उनके पास शब्द कम थे, पर भावनाएं गहरी थीं। हम सब कुछ कह रहे हैं, पर शायद कुछ महसूस नहीं कर पा रहे। इसलिए कभी-कभी सबसे क्रांतिकारी काम होता है ङ्क रुक जाना, सब कुछ साइड में रखकर, सिर्फ खुद के साथ बैठना। और पूछना क्या मैं अब भी जिंदा हूं? अगर उत्तर हाँ में मिले तब वही सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। पूछिए, पूछिए, सवाल पूछिए जरा।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन कार्यक्षेत्र में अच्छा है। आपकी लीडरशिप स्किल्स की तारीफ होगी और इससे आपको प्रमोशन मिल सकता है। नए प्रॉजेक्ट शुरू करने के लिए यह अच्छा समय है। टीम में अगर कोई मतभेद है, तो उसे कूटनीति से सुलझाएं।

वृष
आज जातकों के लिए बिजनस में स्थिरता बनी रहेगी, लेकिन कॉम्पिटिशन से निपटने के लिए कुछ नया करना होगा। नौकरी करने वालों को अपने बॉस के साथ मीटिंग में सावधानी से बात करनी चाहिए। आपकी एक गलती आपकी इमेज खराब कर सकती है।

तुला
आज बिजनस में पार्टनर के साथ रिश्ते अच्छे होंगे और इससे आपको बड़ा लाभ होगा। अगर आप करियर में बदलाव करने की सोच रहे हैं, तो प्लानिंग करने के लिए अच्छा दिन है। डिजिटल क्षेत्र, मार्केटिंग या कला से जुड़े लोगों को नए प्रॉजेक्ट मिल सकते हैं।

वृश्चिक
आज कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं सफल होंगी, आपके बॉस आपकी तारीफ करेंगे। व्यापारियों के लिए मार्केटिंग में नए आइडिया सफलता दिला सकते हैं। पैसों के मामले में दिन अच्छा है, आपका अटका हुआ पैसा वापस मिल सकता है।

मिथुन
आज जातकों को कार्यक्षेत्र में तनाव हो सकता है, लेकिन आप अपनी बातचीत करने की कला से स्थिति को संभाल लेंगे। बिजनस में किसी बड़े सौदे में रुकावट आ सकती है, लेकिन आपको धैर्य रखना होगा।

कर्क
आज दिन तरक्की के संकेत दे रहा है। ऑफिस में आपके सुझावों को महत्व दिया जाएगा। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, व्यापारियों को अपने पुराने क्लाइंट्स से रिवॉर्ड मिल सकते हैं।

धनु
आज दिन मिला-जुला रहेगा। ऑफिस में काम का बोझ ज्यादा रहेगा, लेकिन आपके काम से आपके सीनियर खुश रहेंगे और बिजनस में आपको नया निवेश करने से बड़ा लाभ हो सकता है।

मकर
आज कार्यक्षेत्र में योजना बनाकर काम करने से बड़ी सफलता मिलेगी। तकनीकी क्षेत्र या मैनेजमेंट में काम करने वाले लोगों को एक्स्ट्रा फायदा मिलेगा। आपको व्यापारियों के लिए ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी और कमाई में सुधार होगा।

सिंह
आज करियर में कोई बड़ा मौका आ सकता है और यह अवसर आने वाले समय में आपके भविष्य की दिशा तय करेगा। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों को एक्स्ट्रा प्रॉजेक्ट मिल सकता है। इससे उनकी इनकम बढ़ेगी और जीवन में बड़ी सफलता हासिल करेंगे।

कन्या
आज ऑफिस में आपकी मेहनत रंग लाएगी और आपके सीनियर आपकी तारीफ करेंगे। टीमवर्क से मुश्किल प्रॉजेक्ट भी आसान हो सकते हैं। बिजनस करने वाले लोग पार्टनरशिप में लाभ की उम्मीद कर सकते हैं और आपके लिए लाभ और तरक?की के योग हैं।

कुंभ
आज करियर में बड़ी सफलता मिलने की उम्?मीद है। कोई जरूरी मीटिंग या इंटरव्यू से आपको बड़ा लाभ होने की उम्?मीद है। ऑफिस में पुराने प्रॉजेक्ट को दोबारा शुरू करने का मौका मिलेगा और ऐसा करने से आपकी आर्थिक स्थिति और बेहतर होगी।

मीन
आज बिजनस में कोई सौदेबाजी में सफलता मिलेगी। इससे आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। नौकरी करने वाले लोगों को बॉस की सलाह फायदेमंद रहेगी। करियर में आपको किसी गुरु या मेंटर का मार्गदर्शन मिलेगा।

थप्पड़बाज विधायक के खिलाफ ऐक्शन गैर संज्ञेय अपराध का केस दर्ज

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण मुंबई स्थित विधायक हॉस्टल कैंटीन में एक कर्मचारी से कथित तौर पर मारपीट करने के मामले में उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ और उनके समर्थक के खिलाफ शुक्रवार को गैर-संज्ञेय धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना के तीन दिन बाद यह कार्रवाई महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस बयान के बाद की गई कि पुलिस को जांच शुरू करने के लिए औपचारिक शिकायत का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। गैर-संज्ञेय मामला छोटे अपराधों में दर्ज किया जाता है। ऐसे मामलों में पुलिस अदालती वारंट के बिना गिरफ्तारी नहीं कर सकती। गायकवाड़ और उनके एक समर्थक ने मंगलवार रात आकाशवाणी एमएलए हॉस्टल कैंटीन में 'बासी खाना परोसने' के कथित आरोप में एक कर्मचारी के साथ मारपीट की थी।

बुलढाणा से दो बार के विधायक गायकवाड़ द्वारा कैंटीन कर्मचारी को घूंसा और थप्पड़ मारने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था, जिसके बाद पूरे राज्य में आक्रोश फैल गया।

फडणवीस ने कहा था शिकायत जरूरी नहीं

अधिकारी ने बताया कि विधायक और उनके समर्थक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एक गैर संज्ञेय मामला दर्ज किया गया है, जिसमें धारा 115 (2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 3 (5) (सामान्य इरादा) शामिल हैं। इससे पहले दिन में राज्य का गृह विभाग भी संभाल रहे मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि घटना की जांच शुरू करने के लिए पुलिस को औपचारिक शिकायत का इंतजार करने की कोई जरूरत नहीं है।

केस दर्ज पर आरोप गैर संज्ञेय

उन्होंने मॉनसून सत्र के दौरान विधान भवन में संवाददाताओं से कहा कि पुलिस को मामले की जांच करनी चाहिए और यदि यह संज्ञेय अपराध है तो वे उचित कार्रवाई करेंगे। इससे पहले, गृह राज्य मंत्री एवं शिवसेना विधायक योगेश कदम ने कहा था कि पुलिस गायकवाड़ के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकती, क्योंकि कोई शिकायत नहीं है। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने प्रकरण सामने आने के बाद बुधवार को खाद्य सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन का हवाला देते हुए कैंटीन चलाने वाले कैटरर का लाइसेंस निलंबित कर दिया था।

गायकवाड़ का खेद व्यक्त करने से इनकार

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी से जुड़े गायकवाड़ ने हालांकि खेद व्यक्त करने से इनकार कर दिया और कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो वह इसी तरह का कदम दोबारा उठाएंगे। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने पीड़ित से पूछा था कि क्या वह विधायक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराना चाहता है, लेकिन उसने इससे इनकार कर दिया। उन्होंने बताया कि वीडियो फुटेज की जांच के बाद एक पुलिस अधिकारी ने विधायक और उनके समर्थक के खिलाफ राज्य की ओर से मरीन ड्राइव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

भाखड़ा-नांगल बांध पर सीआईएसएफ तैनाती को लेकर ठनी, पंजाब विधानसभा में विरोध में प्रस्ताव पास

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब विधानसभा ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के भाखड़ा-नांगल बांध प्रोजेक्ट में सीआईएसएफ की तैनाती के खिलाफ प्रस्ताव पास किया है। इसमें कहा गया कि राज्य पुलिस पिछले 70 वर्षों से इन प्रतिष्ठानों की विधिवत सुरक्षा कर रही है। प्रस्ताव में कहा गया कि अगर बीबीएमबी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों को तैनात करता है तो पंजाब सरकार ऐसी तैनाती के संबंध में कोई भी वित्तीय बोझ वहन नहीं करेगी। सीआईएसएफ की तैनाती के खिलाफ प्रस्ताव शुक्रवार को पंजाब विधानसभा में पेश हुआ। विशेष सत्र के दूसरे दिन कैबिनेट मंत्री बरिंदर गोयल की ओर से इसे लाया गया। प्रस्ताव के अनुसार, पंजाब ने सीआईएसएफ की तैनाती के मुद्दे पर फिर से विचार किया है। 27 मई और 4 जुलाई को बीबीएमबी को सीआईएसएफ की तैनाती के विरुद्ध अपनी कड़ी आपत्तियां जताई थीं। मई में केंद्र सरकार ने पंजाब में नांगल बांध को आतंकवाद-रोधी सुरक्षा प्रदान करने के लिए सीआईएसएफ के 296 कर्मियों वाली सशस्त्र टुकड़ी की तैनाती की मंजूरी दी थी। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब बांध से पानी के बंटवारे को लेकर पंजाब और हरियाणा के बीच गतिरोध चल रहा है।

पंजाब सरकार का क्या है तर्क

इस प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब पुलिस राज्य के बांधों की सुरक्षा करने में सक्षम है। विधानसभा की ओर से पारित प्रस्ताव में कहा गया, 'यह समझा जाता है कि पंजाब की कड़ी आपत्तियों के बावजूद बीबीएमबी सीआईएसएफ की तैनाती पर विचार कर रहा है। यहां तक कि 4 जुलाई को हुई बीबीएमबी की पिछली बैठक में भी पंजाब ने अपनी आपत्तियां बहुत मजबूती से उठाई थीं।'

फरीदाबाद में अनंगपुर के बाद लकड़पुर में भी बुलडोजर ऐक्शन की तैयारी

फरीदाबाद , एजेंसी। फरीदाबाद के अनंगपुर के बाद अब लकड़पुर में अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई खतरा मंडराने लगा है। वन विभाग लकड़पुर का रिकॉर्ड खंगाल रहा है। विभाग ने 313 अवैध निर्माणों को चिन्हित किया है, जिनको नोटिस जारी किए गए हैं। फिलहाल एक सप्ताह से वन विभाग की कार्रवाई रुकी हुई और उच्च अधिकारियों के आदेश के बाद ही आगे कार्रवाई शुरू होगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पिछले महीने करीब 15 दिनों तक अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इसके तहत वन विभाग 240 अवैध निर्माणों को गिराकर वन विभाग की करीब 270 एकड़ जमीन को खाली कराया है। वन विभाग ने इस कार्रवाई की रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दी है और अब उच्च अधिकारियों के अग्रिम आदेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार अनखीर, मेवला महाराजपुर, लकड़पुर और अनंगपुर में करीब 800 एकड़ जमीन पर 6793 अवैध निर्माण चिन्हित किए गए हैं। इनमें से अनंगपुर में 5948, लकड़पुर में 313, मेवला महाराजपुर में 193 और अनखीर में 339 अवैध निर्माणों को चिन्हित किया गया है। वन विभाग जल्द ही अपनी शेष 530 एकड़ जमीन भी जल्द ही कब्जा मुक्त कराएगा।

पुलिसवालों के बच्चों को काटा तो 10 कुत्तों को मार दी गोली, शव को बोरे में भरकर फेंका

कांकेर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एक चौंकाने वाली घटना ने लोगों का ध्यान खींचा है। आरोप है कि कांकेर पुलिस लाइन में एक थाना प्रभारी ने 10 बेजुबान कुत्तों को गोली मार दी। स्थानीय लोगों और सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के आधार पर दावा किया जा रहा है कि इन कुत्तों के शवों को बोरे में भरकर नदी किनारे फेंक दिया गया। इस मामले में एसपी ने जांच के निर्देश दिए हैं। सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहे एक वीडियो में कथित तौर पर कुत्तों को गोली मारने और उनके शवों को ठिकाने लगाने का दृश्य दिखाया गया है। यह वीडियो कांकेर पुलिस लाइन के अंदर का बताया जा रहा है, जहां एक टीआई पर कुत्तों को निशाना बनाने का आरोप है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह क्रूरता उस समय हुई जब एक कुत्ते ने कथित तौर पर टीआई के बच्चे को दौड़ाया, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है।

बिहार के लोगों को एक और तोहफा ! 100 यूनिट फ्री बिजली देने की तैयारी में नीतीश कुमार

पटना, एजेंसी। बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार राज्य की जनता के लिए एक पर एक योजना ला रही है। हाल ही में बिहार सरकार ने बुजुर्गों और दिव्यांगों को मिलने वाली पेंशन राशि को 400 से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी। अब सरकार बिहार के बिजली उपभोक्ताओं को हर महीने 100 यूनिट बिजली फ्री में देने की योजना बना रही है। सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक, बिहार सरकार के ऊर्जा मंत्रालय ने इसको लेकर एक मसौदा तैयार किया है जिसे ऊर्जा विभाग ने मंजूरी दे दी है। अब जल्द ही इसे कैबिनेट की मंजूरी मिल सकती है। इसके बाद लोगों को इसका लाभ मिलने लगेगा।

आपको बता दें कि इस सुविधा का लाभ सिर्फ घरेलू उपभोक्ताओं को मिलेगा। कॉमर्शियल ग्राहकों को इस योजना से अलग रखा जाएगा। इसके अलावा बिहार सरकार इसी योजना में कृषि के लिए इस्तेमाल होने वाली बिजली पर कुछ अधिक रियायत दे सकती है। इस मुद्दे पर भी चर्चा अंतिम चरण में है। बिहार में में लगभग 2.08 करोड़ बिजली उपभोक्ता हैं। इनमें से लगभग 60 लाख लोगों के घरों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लग चुके हैं। इनके लिए पहले से ही बिल में 25 पैसे प्रति यूनिट की छूट मिल रही है। फिलहाल ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को पहले 50 यूनिट के लिए 7.42 रुपये प्रति यूनिट की दर है। हालांकि बिहार सरकार इसपर सब्सिडी देती है, जिसके बाद यह दर 4.52 रुपये हो जाती है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर वाले उपभोक्ताओं को इसके अतिरिक्त 25 पैसे प्रति यूनिट की अतिरिक्त छूट भी मिलती रहेगी। उन्हें 100 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ भी मिलेगा।

सोनम रघुवंशी के भाई ने राजा के परिवार को लौटाए शादी के गहने

इंदौर, एजेंसी। मध्य प्रदेश में इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या में पत्नी सोनम का हाथ सामने आने के बाद दोनों परिवारों के बीच तकरार बढ़ती जा रही है। राजा के परिजनों ने सोनम के परिवार से वो सारे गहने वापस मांग लिए हैं, जो उन्होंने शादी में अपनी बहू को उपहार दिए थे। इसके बाद सोनम के परिवार ने रघुवंशी समाज और पुलिस की मौजूदगी में वो तमाम गहने लौटा दिए हैं। हालांकि, सोनम के पिता ने बेटी को दिया हुआ दहेज और कैश वापस लेने से इनकार कर दिया है।

सोनम के पिता ने कहा है कि वो बेटी को दिया हुआ दान वापस नहीं लेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जब तक मैं सोनम से मिलकर पूछ नहीं लूंगा, तब तक यह मानने तैयार नहीं हूं कि मेरी बेटी ने ही अपने पति की हत्या करवाई है।

बता दें कि, 20 मई को राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी हनीमून के लिए मेघालय के शिलॉन्ग गए थे, जहां 23 मई को सोनम ने अपने प्रेमी राज कुशवाह और उसके दोस्तों के साथ मिलकर राजा की हत्या करवा दी थी। 2 जून को राजा की लाश मिलने के एक हफ्ते बाद मेघालय पुलिस ने सोनम को गिरफ्तार कर लिया था। उसके बाद से अब तक पुलिस सोनम को दो बार रिमांड पर लेकर पूछताछ कर चुकी है। अब वह जेल में है।

सोनम के भाई गोविंद ने बताया कि राजा के परिवार ने 11 मई को शादी के दौरान दुल्हन बनी सोनम को जो गहने दिए थे, वे उन्होंने वापस मांगे थे।

समाज की मंजूरी के बाद पुलिस की मौजूदगी में उनका सामान वापस लौटा दिया गया है। सोनम हनीमून पर जाने के दौरान ये सारे गहने अपने मायके में ही छोड़कर गई थी। सोनम सिर्फ राजा के परिवार से मिला मंगलसूत्र लेकर हनीमून पर गई थी। गोविंद ने इंदौर के राजेंद्र नगर थाना प्रभारी को आवेदन देकर पुलिस की मौजूदगी में ये तमाम गहने राजा के बड़े भाई विपिन रघुवंशी को सौंप दिए हैं। इसमें गोविंद और विपिन दोनों के हस्ताक्षर हैं।

सोनम के परिवार ने कोई वकील नहीं किया

10 दिन की पुलिस की पूछताछ के बाद सोनम अब शिलॉन्ग जेल में बंद है। सोनम के साथ राज कुशवाहा, विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी भी इसी जेल में बंद हैं। गोविंद ने बताया कि उन्होंने शिलॉन्ग पुलिस को आवेदन देकर सोनम से मिलने की इच्छा जताई है, लेकिन पुलिस ने अब तक इस पर कोई जवाब नहीं दिया है। गोविंद और उनके पिता का कहना है कि सोनम से बातचीत के बाद ही वे इस बात पर फैसला लेंगे कि वे उसकी पैरवी के लिए वकील करेंगे या नहीं? सोनम के पिता कहते हैं कि यदि सोनम ने हत्याकांड में शामिल होने का खुलासा किया तो उससे हम आगे बात नहीं करेंगे, लेकिन यदि ये कोई साजिश है तो हम उसकी पैरवी करेंगे।

एनडीए से बाहर नहीं जाएंगे चिराग, बिहार में भाजपा के हिसाब से चलेगी लोजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सीट शेयरिंग को लेकर एनडीए और महागठबंधन में दबाव की राजनीति जारी है। एनडीए में शामिल चिराग पासवान भी इसी काम में लगे हुए हैं। हालांकि एक बात तय है कि एनडीए के अहम सहयोगी लोजपा (रामविलास) के नेता और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान विधानसभा चुनाव में एनडीए की सामूहिक रणनीति के हिसाब से ही चलेंगे। चूंकि, पिछले विधानसभा चुनाव में लोजपा एनडीए से बाहर थी, इसलिए इस बार उसके लिए नए सिरे से सीटों का आवंटन किया जाएगा। ऐसे में लोजपा (रामविलास) के बयानों को उसकी ज्यादा से ज्यादा सीटों की संभावित दावेदारी से जोड़कर देखा जा रहा है। चिराग पासवान के खुद के चुनाव लड़ने और सीटों पर लोजपा (रामविलास) के लड़ने के बयान पर भाजपा ने साफ किया है कि एनडीए की सभी पार्टी सभी सीटों पर लड़ेगी। गठबंधन का जो भी उम्मीदवार होगा वह हर दल का होगा, ऐसे में चिराग के बयान में कुछ भी गलत नहीं है। जहां तक चिराग के खुद के चुनाव लड़ने की बात है, तो यह उनकी पार्टी तय करेगी कि कौन चुनाव लड़ेगा कौन नहीं। गौरतलब है कि गठबंधन में चिराग की मजबूती के पीछे भाजपा का पूरा समर्थन है। चिराग खुद भी कई बार खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हनुमान बता चुके हैं।

भाजपा के हिसाब से चलेंगे चिराग : भाजपा सूत्रों का कहना है, चिराग गठबंधन में भाजपा के हिसाब से ही चलेंगे। उनका मौजूदा दबाव सीटों को लेकर है, क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव में वह साथ में नहीं थे, इसलिए इस बार अपनी पार्टी के लिए ज्यादा सीटें चाहते हैं और लोकसभा चुनावों के फॉर्मूले को अपनाने पर जोर दे रहे हैं। इसमें भाजपा व जदयू को तो ज्यादा नुकसान नहीं होगा, लेकिन लोजपा (रामविलास) को ज्यादा लाभ होगा। इससे जीतनराम मांझी की हम व उपेंद्र कुशवाह की रालोमो की दिक्कतें बढ़ेंगी। हालांकि, भाजपा का मानना है कि यह ज्यादा बड़ी समस्या नहीं है और जल्द ही इस पर सहमति बना ली जाएगी।

भाषा विवाद के बीच आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण बोले- तेलुगु मां है, हिंदी हमारी बड़ी मां

हैदराबाद, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने देश में बढ़ते भाषा विवाद के बीच राष्ट्रीय एकता पर जोर दिया है। जनसेना पार्टी के प्रमुख ने राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने और फिल्म उद्योग समेत तमाम क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि के लिए हिंदी की भूमिका को बढ़ाने की वकालत की है। पवन कल्याण का यह बयान ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश और असम में भाषा को लेकर विवाद बढ़ रहा है।

हैदराबाद में चल रहे राजभाषा विभाग के दक्षिण संवाद स्वर्ण जयंती समारोह में भाषा को लेकर पवन कल्याण ने बड़े ही अनोखे अंदाज में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, अगर तेलुगु हमारे लिए मां के समान है, तो हिंदी हमारे लिए बड़ी मां (पेद्दम्मा) के समान है। हिंदी पूरे भारत को एकजुट करती है। हिंदी भाषा को भारत को एक करने की भाषा बताते हुए पवन कल्याण ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि हमारे देश में क्षेत्रीय भाषाओं का अपना महत्व है, लेकिन इसके साथ ही हिंदी भारत के तमाम हिस्सों को जोड़ने में अपनी भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि हिंदी सीखने से किसी भी क्षेत्रीय भाषा को खतरा नहीं है, बल्कि इसे बड़े अवसरों और पूरे भारत में रोजगार के माध्यम के रूप में देखा जाना चाहिए। हिंदी के महत्व को बताते हुए जनसेना पार्टी के प्रमुख ने इसके आर्थिक महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कई तेलुगु और अन्य दक्षिण भारतीय फिल्में आज हिंदी में डब होकर पूरे देश में रिलीज होती हैं, इससे क्षेत्रीय फिल्म उद्योग को अच्छी-खासी कमाई होती है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि हमारी फिल्में हिंदी में अच्छा प्रदर्शन करें और उनसे पैसा कमाएँ, लेकिन हम हिंदी भाषा सीखना नहीं चाहते। यह कैसा दयनीय रवैया है? इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई नई शिक्षा नीति में तीन भाषा को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली हिंदी को अनिवार्य भाषा नहीं बनाती है बल्कि देश की कई अन्य भाषाओं को भी समृद्ध बनाने का काम करती है।

इस साल दिल्ली नहीं, बर्निहाट सबसे ज्यादा प्रदूषित

असम-मेघालय सीमा पर स्थित बर्निहाट, 2025 की पहली छमाही में भारत का सबसे प्रदूषित शहर है, जबकि दिल्ली दूसरे स्थान पर

नईदिल्ली, एजेंसी। एक लेटेस्ट विश्लेषण के अनुसार, असम-मेघालय सीमा पर स्थित बर्निहाट, 2025 की पहली छमाही में भारत का सबसे प्रदूषित शहर है, जबकि दिल्ली दूसरे स्थान पर है। स्वतंत्र अनुसंधान संगठन सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के विश्लेषण के अनुसार, बर्निहाट में पीएम 2.5 (हवा में मौजूद ढाई माइक्रोमीटर या इससे कम व्यास के कण) की औसत सांद्रता 133 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई, जबकि दिल्ली का पीएम 2.5 स्तर राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक से दोगुना, 87 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गया। हाजीपुर (बिहार), गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश), गुरुग्राम (हरियाणा), पटना, सासाराम (बिहार), तलचर (ओडिशा), राउरकेला (ओडिशा) और राजगीर (बिहार) 10 सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल हैं। मिजोरम का आइजोल वर्ष की पहली छमाही में देश का सबसे स्वच्छ शहर रहा। सीआरईए के अनुसार, जनवरी से जून तक, सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों (सीएएक्यूएमएस) वाले 293 शहरों में से 239 में 80 प्रतिशत से अधिक दिनों के लिए सूक्ष्म कण संबंधी आंकड़े उपलब्ध थे। वहीं, 239 शहरों में से 122 में वायु गुणवत्ता वार्षिक राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक (एनएएक्यूएस) 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक रही, जबकि 117 शहर वार्षिक सीमा से नीचे रहे। सीआरईए ने कहा कि दिल्ली में निर्धारित अवधि पूरी कर चुके वाहनों के परिचालन की अनुमति नहीं देने जैसे प्रतिबंध लागू करना वायु गुणवत्ता प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण घटक है, लेकिन इसमें केवल वाहनों से होने वाले उत्सर्जन के जोखिमों पर ही ध्यान केन्द्रित किया गया है तथा प्रदूषण के अन्य महत्वपूर्ण स्रोतों को नजरअंदाज किया गया है। पोर्टल फॉर रेगुलेशन ऑफ एयर पॉल्यूशन इन नॉन-अटेनमेंट सिटीज (पीआरएएनए) और आईआईटी-दिल्ली के अध्ययनों के अनुसार, परिवहन (17 से 28 प्रतिशत) और धूल (17 से 38 प्रतिशत) के अलावा, कई अन्य क्षेत्रों का पीएम (सूक्ष्म कण) के स्तर में महत्वपूर्ण योगदान है। इनमें आवासीय दहन (8 से 10 प्रतिशत), कृषि दहन (4 से 7 प्रतिशत) और औद्योगिक गतिविधियां एवं बिजली संयंत्र (22 से 30 प्रतिशत) शामिल हैं। ये अध्ययन दर्शाते हैं कि दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता का संकट केवल वाहनों से होने वाले उत्सर्जन या मौसमी बायोमास के दहन के कारण नहीं है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न स्रोतों से होने वाले निरंतर उत्सर्जन के कारण भी है। सीआरईए के विश्लेषक मनोज कुमार ने बताया कि उदाहरण के लिए, उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, दिल्ली के आसपास अधिकांश ताप विद्युत संयंत्रों में फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) जैसी महत्वपूर्ण प्रदूषण नियंत्रण तकनीक अब भी उपलब्ध नहीं हैं। वर्ष 2025 के मध्य तक, राष्ट्रीय राजधानी के 300 किलोमीटर के दायरे में स्थित 11 में से केवल दो संयंत्रों - एनटीपीसी दादरी और महात्मा गांधी ताप विद्युत संयंत्रों - में ही एफजीडी चालू अवस्था में पाये गए। सीआरईए ने कहा कि यह नियामक अंतराल सख्त वाहन नीतियों के माध्यम से प्राप्त लाभों को कमजोर करता है और एक ऐसी असमानता को प्रदर्शित करता है, जहां कृषि स्रोतों को कड़ी जांच का सामना करना पड़ता है जबकि अन्य क्षेत्र अनियंत्रित रूप से प्रदूषण फैलाते रहते हैं।

तमिलनाडु में प्राचीन मंदिरों का पुनरुद्धार शुरू, स्टालिन सरकार ने 100 करोड़ का फंड दिया

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राज्य के 1000 साल पुराने 63 प्राचीन मंदिरों के पुनरुद्धार का काम शुरू करवा दिया है। सरकार की तरफ से बताया गया कि इस काम के लिए 100 करोड़ की राशि जारी की गई है। यह काम राज्य हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग की देख-रेख में किया जाएगा, जो कि मंदिर के ढांचे में बिना किसी बदलाव के इसको संपन्न करेगी। राज्य के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने यहां सचिवालय में एक किताब का भी विमोचन किया। इसके साथ ही स्टालन ने स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से 99.35 करोड़ की लागत में बनाई गई स्कूली सुविधाओं का भी उद्घाटन किया। इससे पहले स्टालिन ने बुधवार को राज्य के विपक्षी नेता पलानी स्वामी पर निशाना साधते हुए उन्हें भाजपा की डबिंग आवाज बताया था। आपको बता दें कि तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। स्टालिन सरकार के ऊपर विपक्ष लगातार मंदिरों की संपत्ति को लूटने का आरोप लगाता है। एआईडीएमके नेता पलानीस्वामी ने कुछ समय पहले ही स्टालिन के ऊपर मंदिर का सोना लूटकर कॉलेज स्थापित करने के फैसले को लेकर सवाल उठाया था।

इटली ने पहली बार टी-20 वर्ल्डकप के लिए क्वालिफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। इटली ने अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले मेंस टी-20 वर्ल्डकप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यह पहली बार होगा जब टीम वर्ल्डकप का हिस्सा होगी। उनके साथ नीदरलैंड ने भी इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है। दोनों टीमों ने यूरोपियन क्वालिफायर में टॉप-2 स्थान हासिल कर यह उपलब्धि हासिल की। पिछले चार टी-20 वर्ल्डकप का हिस्सा रह चुके स्कॉटलैंड को जर्सी के खिलाफ आखिरी गेंद पर हार झेलनी पड़ी और वे क्वालिफाई करने से चूक गए। उन्हें चार मैचों में सिर्फ एक मैच में जीत मिली।

नीदरलैंड ने इटली को 9 विकेट से हराया 11 जुलाई 2025 को खेले गए यूरोपियन क्वालिफायर के आखिरी मुकाबले में इटली का सामना नीदरलैंड से हुआ। हालांकि इटली को इस मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इससे उनके टी-20 वर्ल्ड कप में क्वालिफाई करने पर कोई असर नहीं पड़ा। मैच में इटली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 134 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड की टीम 16.2 ओवर में सिर्फ एक विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। जर्सी जीत के बावजूद चूका आखिरी मैच में एक विकेट से जीत के बावजूद जर्सी भी टूर्नामेंट से बाहर हो गया। इटली और जर्सी दोनों के पास पांच-पांच पॉइंट्स थे, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण इटली 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में जगह बनाने में सफल रहा। 5 टीमों की जगह खाली टी-20 वर्ल्ड कप 2026 भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। मेजबान भारत और श्रीलंका के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और कनाडा पहले ही पहुंच चुके हैं। इस टूर्नामेंट में 20 टीमें हिस्सा लेंगी, ऐसे में 5 टीमों की जगह खाली है।

मैं थक गया हूं...
बुमराह ने अचानक ऐसा क्यों बोल दिया?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट की पहली पारी में शानदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के 5 बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया. इसके साथ ही उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया.उन्होंने लॉर्ड्स के मैदान में शानदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के बल्लेबाजी लाइनअप को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया. हालांकि जसप्रीत बुमराह को विकेट लेने के बाद ज्यादा सेलिब्रेट करते हुए नहीं देखा गया. इसका खुलासा बुमराह ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद किया. उन्होंने कहा कि वो थक गए हैं. अब सवाल ये उठता है कि आखिरी बुमराह ने ऐसा क्यों कहा? जसप्रीत बुमराह ने तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मैंने इसलिए सेलिब्रेट नहीं किया क्योंकि मैं थक गया था. मैं 21 या 22 साल का नहीं हूं कि पूरे ग्राउंड पर उछलता रहूंगा. मैं सिर्फ अपने मार्क में वापस जाना चाहता था और फिर से गेंदबाजी करना चाहता था. लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में भारतीय तेज गेंदबाज ने अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को आउट किया. यही नहीं उन्होंने हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, क्रिस वोक्स और जोफ्रा आर्चर को भी वापस पवेलियन की राह दिखाई.

इंडिया-इंग्लैंड टेस्ट:
केएल राहुल शतक बनाकर आउट, 100 रन पर आउट होने वाले 100वें टेस्ट बैटर

लॉर्ड्स, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। शनिवार को मुकाबले का तीसरा दिन था। टीम इंडिया ने पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 300 रन बना। रवींद्र जडेजा और नीतीश कुमार रेड्डी क्रीज पर हैं। केएल राहुल (100 रन) को शोएब बशीर ने हैरी ब्रूक के हाथों कैच कराया। ऋषभ पंत लंच से ठीक पहले 74 रन बनाकर रनआउट हुए। भारत ने तीसरे दिन 145/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया था। मुकाबले के दूसरे दिन इंग्लैंड की टीम 387 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

विंबलडन 2025 - टेलर फ्रिट्ज को हराकर फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्काराज

लंदन, एजेंसी। कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज को चार सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। स्पेन के कार्लोस अल्काराज को पांचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रिट्ज ने कड़ी टक्कर दी। लेकिन, अंत में अल्काराज ने मैच अपने नाम कर लिया। हार के साथ ही फ्रिट्ज का विंबलडन फाइनल खेलने का सपना टूट गया। 2009 में एंडी रोडिक आखिरी अमेरिकी खिलाड़ी थे, जो इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे। दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराया। यह उनकी लगातार 24वीं जीत है। पहला सेट अल्काराज ने जीता, और दूसरा सेट फ्रिट्ज ने जीतकर बराबरी की कोशिश की। लेकिन, तीसरा सेट जीतकर अल्काराज ने फिर से बढ़त बना ली। चौथा सेट सबसे रोमांचक साबित हुआ, जिसका समापन टाई-ब्रेक में हुआ, जहां फ्रिट्ज ने 6/4 की बढ़त बना ली। दो सेट पॉइंट के बाद निर्णायक सेट हुआ। लेकिन, अल्काराज ने अपने दृढ़ निश्चय और प्रतिभा से दोनों सेट पॉइंट बचा लिए। अल्काराज ने लगातार चार अंक हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। विंबलडन 2025 में पुरुष सिंगल्स का फाइनल रविवार को होगा। अल्काराज का फाइनल में टॉप सीड यानिक सिनर और 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच में से किसी एक से सामना होगा। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल खेला जाना है। अल्काराज एक बेहद खास क्लब में शामिल होने से सिर्फ एक मैच दूर हैं। अगर वह रविवार को फाइनल जीत जाते हैं, तो वह इतिहास के सिर्फ पांचवें ऐसे व्यक्ति होंगे, जो लगातार तीन विंबलडन खिताब अपने नाम करेंगे। वहीं, अगर अल्काराज जीतते हैं, तो यह उनका छठा ग्रैंड स्लैम खिताब होगा।

डायमंड लीग:
गिरने के कारण दौड़ पूरी नहीं कर पाए अविनाश साबले

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अनुभवी स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले गिरने के कारण मोनाको डायमंड लीग में दौड़ पूरी नहीं कर पाए। हालांकि, तेजी से उभरते धावक अनिमेष कुजूर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रगति जारी रखते हुए अंडर-23 की 200 मीटर स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के एक आदिवासी गांव में जन्में कुजूर ने भारतीय पुरुष स्प्रिंटिंग में नई उम्मीद जगाई है। अब कुजूर की नजर सितंबर 2025 में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए 20.16 सेकंड के कठिन क्वालिफाइंग मार्क पर है। अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर स्पर्धा में 10 सेकंड की बाधा को तोड़ने का संकल्प लिया है।

ओलंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अविनाश साबले को अपनी पसंदीदा 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में शीर्ष 5 में जगह बनाने की उम्मीद थी, लेकिन शुक्रवार 11 जुलाई की रात वह दौड़ की शुरुआत में ही ही गिर गए। इसके बाद वह असहज महसूस करने लगे। मौजूदा एशियाई चैंपियन अविनाश साबले लंगड़ाते हुए ट्रैक से बाहर चले गए और उनकी चोट की गंभीरता अब तक ज्ञात नहीं है। यह 30 वर्षीय खिलाड़ी सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुका है, लेकिन इस वर्ष वह अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वह पिछले दो डायमंड लीग मुकाबलों में 13वें और आठवें स्थान पर रहे हैं। मोरक्को के सौफियान एल बक्काली ने 8:01.18 सेकंड के समय के साथ दौड़ जीती, जबकि जापान के रयुजी मिउरा 8:03.43 सेकंड के समय के साथ 19 धावकों में दूसरे और केन्या के एडमंड सेरिम 8:04.00 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

यह मेरा आखिरी विंबलडन...
संन्यास की अटकलों पर आया जोकोविच का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने संन्यास की अटकलों को खारिज करते हुए साफ कहा है कि वह एक बार और विंबलडन में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने कहा कि उनका इरादा कम से कम एक बार और इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में खेलने का है। बता दें कि, शुक्रवार को विंबलडन के सेमीफाइनल में यानिक सिनर ने जोकोविच को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। अब सिनर का सामना अल्कारेज से होगा।

संन्यास पर बोले जोकोविच

सेंटर कोर्ट पर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सिनर से 6-3, 6-3, 6-4 से मिली हार ने जोकोविच के विंबलडन में रोजर फेडरर के आठ चैंपियनशिप के पुरुष रिकॉर्ड की बराबरी

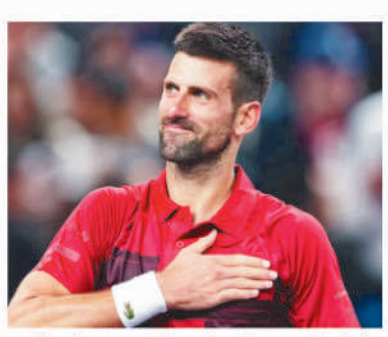

करने और 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के प्रयास पर पानी फेर दिया। जोकोविच ने कहा, मैं आज अपना विंबलडन करियर खत्म करने की योजना नहीं बना रहा हूं। मैं निश्चित रूप से कम से कम एक बार और वापसी की योजना बना रहा हूं।

चोट पर भी की बात

जोकोविच क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान आखिरी सेट में चोटिल हो गए थे और सेमीफाइनल में वह अपने पूरे रंग में नहीं दिखे। जोकोविच ने कहा, मैं अपनी चोट के बारे में विस्तार से बात नहीं करना चाहता। मैं सिर्फ अपने प्रदर्शन को लेकर बात करना चाहता हूं। मुझे इस बात की निराशा जरूर है कि मैं उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया जितना मैंने सोचा था या उम्मीद की थी। जोकोविच ने इस साल अभी तक तीनों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई लेकिन उससे आगे नहीं बढ़ पाए। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वह चोट के कारण पहले सेट के बाद बाहर हो गए थे जबकि फ्रेंच ओपन और विंबलडन में सिनर ने उन्हें फाइनल में नहीं पहुंचने दिया।

22 गेंदों में काइरन पोलार्ड ने बदल दिया मैच का नक्शा, MI को पहुंचाया फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। एमएलसी 2025 चैलेंजर मुकाबले में, कीरोन पोलार्ड के धमाकेदार प्रदर्शन और निकोलस पूरन की तूफानी पारी की बदौलत एमआई न्यूयॉर्क ने फाफ डुप्लेसिस की टेक्सास सुपर किंग्स को 7 विकेट और एक ओवर शेष रहते हराया। अब रविवार 14 जुलाई 2025 (भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे से) को होने वाले फाइनल में उसका मुकाबला गत विजेता वाशिंगटन फ्रीडम से होगा।

कीरोन पोलार्ड प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने 4 चौके और 3 छक्के की मदद से 22 गेंद में 47 रन की नाबाद पारी खेली। कीरोन पोलार्ड ने मैदान पर उतरते ही नूर अहमद की गेंद पर इतना जोरदार छक्का मारा, ऐसा लगा कि गेंद आसमान में पहुंच गई। यह छक्का 100 मीटर (328 फीट) लंबा था। नीचे वीडियो में देख सकते हैं कि कीरोन पोलार्ड ने कितना ऊंचा छक्का लगाया। गेंद 1-2 सेकंड तक दिखाई भी नहीं दी। एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान निकोलस पूरन ने धमाकेदार अर्धशतक लगाया। उन्होंने 4 चौके और 3 छक्के की मदद से 36 गेंद में 52 रन की नाबाद पारी खेली। निकोलस पूरन और कीरोन पोलार्ड के अलावा एमआई न्यूयॉर्क की ओर से मोनांक पटेल भी धमाकेदार पारी खेली।

हालांकि, वह एक रन से अर्धशतक से चूक गए। उन्होंने नूर अहमद का शिकार बनने से पहले 5 चौके और 2 छक्के की मदद से 39 गेंद में 49 रन की पारी खेली। इससे पहले, एमआई न्यूयॉर्क ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। चौथे ओवर में स्मित पटेल सिंगल स्कोर पर ट्रिस्टन लुस का शिकार बने। पांचवें ओवर में कीरोन पोलार्ड ने फाफ डुप्लेसिस का कैच छोड़ दिया। सैतेजा मुक्कामल्ला और शुभम रंजने प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे और क्रमशः रुशिल उग्रकर और लुस का शिकार बने। पावरप्ले के बाद टेक्सास सुपर किंग्स का स्कोर 43/3 था।

मार्कस स्टोइनिस को रन बनाने में दिक्कत हो रही थी। इस बीच, फाफ डुप्लेसिस ने 34 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। दस ओवर के बाद टेक्सास सुपर किंग्स का स्कोर 67/3 था। ट्रिस्टन लुस ने फाफ डुप्लेसिस को भी अपना शिकार बनाया। फाफ डुप्लेसिस 7 चौके और एक छक्के की मदद से 42 गेंद में 59 रन बनाकर आउट हुए।

पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने भाला फेंक में जीता स्वर्ण पदक, प्रीति पाल भी शीर्ष पर रहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतिल ने 72.25 मीटर की दूरी तक भाला फेंक कर शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके राज्य के मंजीत ने 54.56 मीटर के शानदार प्रयास के साथ रजत पदक जीता, जबकि एसएससीबी (सेना खेल संवर्धन बोर्ड) के प्रदीप कुमार ने 45.17 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने शुक्रवार को सातवीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया

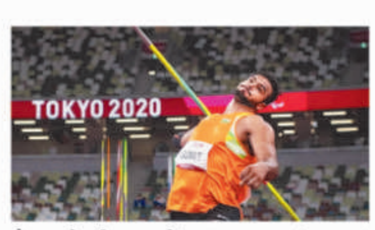

और पुरुषों की भाला फेंक (एफ12 एवं एफ64) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। यह चैंपियनशिप काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस टूर्नामेंट के प्रदर्शन से इस साल के आखिर में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल का चयन निर्भर करेगा। हरियाणा के अंतिल ने 72.25 मीटर की दूरी तक भाला फेंक कर शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके राज्य के मंजीत ने 54.56 मीटर के शानदार प्रयास के साथ रजत पदक जीता.

जिंदगी का कोई भरोसा नहीं
जिंदगी का कोई भरोसा नहीं, डियागो जोटा की मौत से टूटे रोनाल्डो के फैन मोहम्मद सिराज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि लिवरपूल के फुटबॉलर डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में मौत की खबर सुनकर वह काफी भावुक हो गए।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन जैमी स्मिथ का विकेट लेने के बाद उनकी प्रतिक्रिया पुर्तगाली फारवर्ड के प्रति श्रद्धांजलि थी। स्मिथ को आउट करने के बाद सिराज ने अपनी उंगलियों से '20' (लिवरपूल में जोटा की जर्सी नंबर जिसे अब रिटायर कर दिया गया है) का अंक बनाया और फिर इस फुटबॉलर के सम्मान में दोनों हाथ आसमान की ओर उठाए, जिनकी तीन जुलाई को स्पेन के जमोरा क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।

एशिया कप और जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए भारत में पाकिस्तान के आने की संभावना कम

मुंबई, एजेंसी। भारत में एशिया कप हॉकी और जूनियर हॉकी विश्व कप का आयोजन होना है। भारत सरकार की तरफ से पाकिस्तानी टीम को आने को लेकर सकारात्मक रुख रखा गया है। लेकिन पाकिस्तान सरकार इन आयोजनों के लिए अपनी सीनियर और जूनियर टीम को भारत नहीं भेजने का विचार कर रही है। पाकिस्तान को 27 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप में भाग लेना है, जिसके लिए पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने सरकार से मंजूरी मांगी है। पाकिस्तान को इस साल नवंबर-दिसंबर में चेन्नई में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप में भी भाग लेना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने

टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट को बताया, दोनों देशों के बीच मौजूदा राजनीतिक हालात को देखते हुए शहजाद शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान सरकार द्वारा राष्ट्रीय हॉकी टीम को भारत आने की अनुमति देने की कोई संभावना नहीं है। सूत्रों ने कहा कि गठबंधन सरकार के सदस्यों का मानना है कि दोनों पड़ोसियों के बीच सशस्त्र संघर्ष के बाद टीम भेजना सुरक्षित नहीं होगा। दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद, दोनों देशों के बीच संघर्ष हुआ था। सूत्रों ने बताया कि सरकार से स्पष्ट नहीं सुनने के बाद पाकिस्तान हॉकी महासंघ एफआईएच और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) से मांग करेगा कि वे इन प्रतियोगिताओं को मलेशिया या ओमान जैसे किसी तटस्थ स्थान पर स्थानांतरित करें। पीएचएफ सूत्रों ने कहा, पीएचएफ इन आयोजनों को भारत से बाहर कराने की कोशिश करेगा, लेकिन ऐसा होने की संभावना बहुत कम है, क्योंकि मलेशिया और ओमान के पास इन आयोजनों के लिए बोली लगाने के लिए जरूरी धनराशि नहीं है, जो लगभग एक लाख डॉलर है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने पिछली बार 2023 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत का दौरा किया था, जहां वह छह टीमों में पांचवें स्थान पर रही थी। भारत ने यह प्रतियोगिता जीती थी। इस आयोजन के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई थी। भारत से हाल ही में आई रिपोर्टों से पता चला है कि अधिकारी पाकिस्तान को हॉकी आयोजनों में भाग लेने की अनुमति देने को तैयार हैं। हॉकी इंडिया ने यह भी कहा था कि उन्हें विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय से अनुमति मिल गई है।

निराश्रित गौवंश को एक सप्ताह में गौशालाओं में शिफ्ट करने के निर्देश

जिला मजिस्ट्रेट ने सड़क दुर्घटनाओं पर रोकथाम एवं गौवंश की सुरक्षा के दृष्टिगत जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश

पन्ना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार ने नेशनल एवं स्टेट हाईवे, प्रमुख जिला मार्ग व ग्राम सड़क एवं शहर के वार्डों की सड़कों पर निराश्रित पशु और गौवंश के बैठने तथा विचरण करने से घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर रोकथाम के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता अधिनियम 2023 की धारा 163(1) के तहत दो माह के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है, जिसके तहत कोई भी पशुपालक द्वारा सड़कों पर अपने पशु अथवा गौवंश को खुले में नहीं छोड़ा जाएगा। दूध का स्वयं के लिए उपयोग करने वाले पालक भी अपने पशु व गौवंश को अपने कैंपस के अंदर ही रखेंगे। साथ ही समस्त जनपद पंचायत सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ तथा ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक अपने कार्य क्षेत्र में आने वाली सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर पाए जाने वाले निराश्रित पशु व गौवंश को एक सप्ताह के भीतर नजदीकी गौशालाओं में रखे जाने की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

वर्तमान में जिले में 5 गौशालाओं का संचालन निजी व शासकीय संस्थाओं द्वारा तथा 33 गौशालाओं को संचालन ग्राम पंचायतों द्वारा किया जा रहा है, जबकि नगर पालिका परिषद पन्ना द्वारा एक गौशाला संचालित है। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा उप संचालक पशुपालन एवं सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारियों को प्रति दिवस गौशालाओं का निरीक्षण कर प्रवेशित गौवंश रखे जाने संबंधी पंजी संधारित कर टैगिंग कार्य भी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

अर्थदण्ड अदा करने के उपरांत ही वापस मिल सकेंगे गौवंश

गौशाला में पशु एवं गौवंश के प्रवेश के बाद गौवंश पालक को गौशाला से गौवंश की वापिसी पर खुराक खर्चा और अर्थदण्ड देना होगा। साथ ही संबंधित गौशाला में गौवंश एवं पालक की पहचान का रिकार्ड भी संधारित किया जाएगा। इसके अलावा निर्धारित समयावधि में विभागीय अधिकारियों द्वारा गौवंश को गौशालाओं में स्थानांतरित नहीं करवाने तथा सड़कों पर गौवंश के विचरण की स्थिति में विभागीय कार्रवाई के साथ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के प्रावधान अनुसार अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी। इसके अतिरिक्त उल्लंघनकर्ता पशुपालकों के विरुद्ध भी निर्धारित प्रावधान अनुसार अभियोजन की कार्यवाही होगी। उल्लेखनीय है कि समय-समय पर क्षेत्र भ्रमण, समाचार पत्रों, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से निराश्रित पशु एवं गौवंश के सड़क पर बैठने व विचरण के कारण दुर्घटनाओं का तथ्य संज्ञान में आने पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा उक्तादेश जारी किया गया है। पूर्व में भी इस संबंध में स्थानीय निकाय के अधिकारियों तथा सरपंच एवं सचिव को निर्देश जारी किए गए थे। मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव द्वारा भी निराश्रित पशु व गौवंश को गौशाला एवं कांजी हाउस में प्रवेश के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद पशुपालकों द्वारा इन्हें खुली सड़कों में छोड़ा जा रहा है, जिससे सड़क व वाहन दुर्घटनाओं के साथ पशु एवं जन हानि हो रही है। दुर्घटनाओं की रोकथाम सहित पशु व गौवंश की समुचित सुरक्षा व देखभाल के मद्देनजर इन्हें गौशालाओं में शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

अजयगढ़ में सर्वाधिक गौशालाएं

पशुपालन एवं डेयरी विभाग की मुख्यमंत्री गौसेवा योजना के तहत जिले में 33 गौशालाएं संचालित हैं। इसमें सर्वाधिक अजयगढ़ विकासखण्ड में 12 गौशालाएं हैं, जिसके तहत गौशाला ग्राम पंचायत सिंहपुर, श्री धूनी आश्रम गौशाला खोरा, श्री नरहर बाबा गौशाला समिति पिष्टा, श्री बांके बिहारी लघु वृंदावन समिति मोहाना, कान्हा गौशाला समिति भानपुर, कामधेनु गौशाला समिति सब्दुआ, राधा गौशाला समिति कड़रहा, कामधेनु गौशाला समिति उदयपुर और सिद्धनाथ गौशाला समिति देवरा भापतपुर संचालित है। इसी तरह पन्ना विकासखण्ड में मां गालादेवी गौशाला समिति लक्ष्मीपुर, बाबा हिम्मत दास गौशाला धनगढ़, कामधेनु गौशाला लुहरहाई, श्री राधा कृष्ण गौ समिति बड़ागांव और कृष्णा गौ समिति राजापुर का संचालन किया जा रहा है।

गुनौर विकासखण्ड में देव गौरी गौशाला सिरी, गौशाला ग्राम पंचायत झरकुवां, गौशाला ग्राम पंचायत कोट, निरंकारी गौशाला समिति बंधौरा एवं गौशाला ग्राम पंचायत सुंगरहा संचालित है। पवई विकासखण्ड में सुरभि गौशाला समिति मोहन्द्रा, कान्हा गौशाला समिति कल्दा, नंदगोपाल गौशाला बनौली, मां दानदाई गौशाला कोठी, कामदगिरी गौशाला हड़ा, लक्ष्मी गौशाला बुधेड़ा, भोलेनाथ गौशाला समिति पिपरियादौन एवं मां शारदा माता गौशाला समिति झांझर तथा शाहनगर विकासखण्ड में श्री कृष्णा गौशाला रैपुरा, गौशाला ग्राम पंचायत आमा, सिमरी हार गौशाला समिति शाहनगर, राधेश्याम गौशाला सटवा, श्री राधेश्याम गौशाला समिति बघवारकलां और कृष्णा गौशाला रैयासांटा संचालित है।

जिले में अजयगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत श्री रामसहाय जन चैरिटेबल सोसायटी झिन्ना, शासकीय कृषि प्रक्षेत्र गौशाला अजयगढ़ और श्री सिद्धनाथ गौ सेवा सदन देवगांव, गुनौर विकासखण्ड में शासकीय कृषि प्रक्षेत्र गौशाला भैसवाही तथा पवई विकासखण्ड में श्री विद्यासागर गौ रक्षा एवं संवर्धन समिति गौशाला का संचालन हो रहा है। उप संचालक पशुपालन डॉ. एन.के. गुप्ता ने बताया कि गौशालाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही, असुविधा अथवा समस्या के निराकरण के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग के जिला कार्यालय में भी संपर्क किया जा सकता है।

अनाधिकृत कॉलोनी निर्माण के संबंध में प्रस्तुत करें आपत्ति

पन्ना

कलेक्टर न्यायालय द्वारा पन्ना में विभिन्न सर्वे नंबर एवं रकवा की भूमि पर रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र, कॉलोनी विकास की अनुज्ञा, नगर तथा ग्राम निवेश से लेआउट स्वीकृति एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किए बगैर तथा किसी भी प्रकार का आंतरिक विकास व रेरा में पंजीयन कराए बिना छोटे-छोटे भू-खण्ड विक्रय कर अनाधिकृत कॉलोनी का निर्माण पाए जाने पर आगामी कार्रवाई के लिए संबंधितजनों को आपत्ति प्रस्तुत करने के लिए सूचित किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पन्ना एवं नजूल तहसीलदार पन्ना के प्रतिवेदन अनुसार ग्राम पन्ना स्थित सर्वे नंबर 4227 रकवा 0.275 हे. भूमि पर किशोरगंज मोहल्ला पन्ना निवासी अनावेदकगण किशोरी लाल, श्यामलाल, राजकुमार एवं सोनी द्वारा अनाधिकृत कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा था। इसी तरह सर्वे नंबर 407 रकवा 0.384 हे. भूमि पर अनावेदकगण किशोरगंज मोहल्ला निवासी मु. मुरुस्सका, निशात, जावेद एवं नुजहत अहमद द्वारा भी अनाधिकृत कॉलोनी निर्मित की जा रही थी। उक्त दोनों कॉलोनी को अनाधिकृत घोषित करने की कार्रवाई प्रचलन में है। इस संबंध में किसी भी व्यक्ति द्वारा स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के माध्यम से आगामी 24 जुलाई तक कलेक्टर न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत की जा सकती है।

कलेक्टर न्यायालय द्वारा पवई की सर्वे नंबर 3971 रकवा 1.114 हे. भूमि पर अवैध कॉलोनी निर्माण के संबंध में भी आगामी 28 जुलाई को कलेक्टर न्यायालय में पेशी तिथि निर्धारित की गई है। यहां पवई निवासी अनावेदकगण पन्नालाल, विन्द्रावन, दिलीप, विनोद कुमार, सुहद्री बाई, राधा बाई, गीता बाई एवं सुमन बाई द्वारा अनाधिकृत कॉलोनी का निर्माण करना पाया गया।

सहायक शिक्षक कृष्ण शरण त्रिपाठी को नोटिस जारी

पन्ना। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 60 पन्ना संजय कुमार नागवंशी ने बीएलओ प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने पर डाइट के सहायक शिक्षक एवं छत्रसाल वार्ड नंबर 13 व मतदान केन्द्र 194 के बीएलओ कृष्ण शरण त्रिपाठी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। बूथ लेवल अधिकारी श्री त्रिपाठी को निर्देशों के बावजूद गत 7 जुलाई को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पन्ना में आयोजित प्रशिक्षण में उपस्थिति दर्ज नहीं कराने तथा इस बावत् कोई सूचना प्रदान नहीं करने पर नोटिस जारी किया गया है। इस संबंध में जारी कारण बताओ सूचना पत्र में उल्लेखित है कि बीएलओ द्वारा प्रशिक्षण में उपस्थित नहीं होने से निर्वाचन संबंधी कार्य में व्यवधान उत्पन्न हुआ है। यह कृत्य कार्य के प्रति लापरवाही, उदासीनता व वरिष्ठ अधिकारी के आदेशों की अवहेलना की श्रेणी में है। साथ ही लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 के तहत निर्वाचक नामावली की तैयारी इत्यादि से संबंधित होने पर पदीय कर्त्तव्यों का पालन नहीं करने से तीन माह से दो वर्ष तक अवधि के कारावास और जुर्माना से दंडनीय भी है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा संबंधित बीएलओ को दो दिवस में समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जवाब संतोषजनक नहीं होने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

कांग्रेस नेता ज्ञान प्रकाश तिवारी का दुखद निधन

पन्ना। पन्ना जिले के पवई तहसील मुख्यालय के निवासी कांग्रेस नेता सामाजिक कार्यकर्ता तथा पत्रकार ज्ञान प्रकाश तिवारी का दुखद निधन हो गया है। श्री तिवारी द्वारा हमेशा कांग्रेस पार्टी के लिए काम किया है तथा आम लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए हमेशा अग्रणी रहते थे श्री तिवारी सोशल मीडिया के प्रभारी रामवीर तिवारी के पिताजी हैं उनके निधन पर जिले के कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ताओं पत्रकारों आम जनों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गहन शोक व्यक्त किया है।

परम सद्गुरु हमारे अंदर के अंधकार को खत्म करते हैं : ब्रह्माकुमारी

गुरुओं का सम्मान करके मनाया गुरु पूर्णिमा उत्सव

पन्ना। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में गुरु पूर्णिमा का उत्सव बड़े ही उमंग उत्साह से श्रद्धा भाव से मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ परम सद्गुरु परमात्मा शिव का पूजन एवं दीप प्रज्वलित से किया गया, बहन जी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी को शुभकामना देकर आज के दिन का महत्व बताते हुए कहा कि आज का पर्व बड़ा ही पुनीत पर्व है कहते हैं गुरु बिना मुक्ति नहीं मिलती गुरु वह जो सत्य का अनुभव करा दे, जीवन की निराशा को आशा में बदल दे, जीवन को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए, परंतु कौन सा अंधकार कौन सा प्रकाश? आज हम सभी के परम सतगुरु परमात्मा सभी को सत्य पहचान दे रहे हैं कि हे आत्मा रूपी बच्चे तुम शरीर नहीं आत्मा हो अर्थात पहला अंधकार है कि हम एक चेतन शक्ति आत्मा की वजह स्वयं के देहअभिमान, देहअहंकार में रहते हैं, जिस देहभान के कारण में और मेरापन उत्पन्न होता है और अनेक दुखों के बंधनों में बंध जाती है इस मेरेपन के अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाना है परम सद्गुरु परमात्मा कहते हैं देहभाव से उठकर स्वयं को सद्गुणों से सुशोभित करें, सुख, शांति, आनंद, पवित्रता को धारण करके जीवन को आनंदमय बनाकर संपन्न संपूर्ण बनाएं परम सतगुरु परमात्मा सत्य की पहचान देकर जीवन का उद्देश्य बताते हैं कि जिन विकारों ने तुम्हारा जीवन अंधकार में बनाया है उन विकारों में काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार ईर्ष्या, नफरत को त्याग कर जीवन को सत्य ज्ञान के प्रकाश से भरपूर करें आज हम सभी अपने जीवन को सच्चे मन से पवित्र बनाने का संकल्प लें तथा व्यर्थ संकल्प नकारात्मक विचार को कुदृष्टि,ईर्ष्या,नफरत, जैसी बुराइयां एवं गलत स्वभाव संस्कार की दक्षिण परम सतगुरु को देकर सच्ची-सच्ची गुरु पूर्णिमा मनाएं तभी हमारा जीवन प्रकाशमय बन जाएगा।

कार्यक्रम में श्री बुद्ध सिंह गायत्री परिवार, अरुण गंगेले, राजपुरोहित, दिनेश गोस्वामी जगदीश मंदिर, संतोष तिवारी किशोर जी मंदिर, त्यागी पी, एस भारती, मां अन्नपूर्णा महेश्वरी देवी स्थल सभी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये, कार्यक्रम में सभी भाई बहनों ने ब्रह्माकुमारी सीता दीदी आध्यात्मिक गुरु के रूप में उनकी कृतज्ञता व्यक्ति की एवं सम्मान किया।

सिमरिया थाना पुलिस द्वारा बड़ी मात्रा में जप्त की गई अवैध शराब

बारह लाख की शराब सहित पिकअप वाहन पकड़ा हमेशा की तरह चालक सहित आरोपी फरार भी

पन्ना। पुलिस द्वारा समय समय पर अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाहियाँ की गई है। इसी कड़ी में एक बार पुनः पन्ना पुलिस द्वारा में बड़ी मात्रा में अवैध शराब को जप्त किया गया है। शराब का परिवहन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध थाना सिमरिया में वैधानिक कार्यवाही की जाकर अवैध शराब एवं परिवहन में प्रयुक्त वाहन को जप्त किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा पन्ना जिले के समस्त थाना प्रभारियों को अवैध शराब के निर्माण, भण्डारण, विक्रय एवं परिवहन करने वाले व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया था। इस निर्देश के अनुपालन में थाना प्रभारी सिमरिया द्वारा पुलिस बल को सघन रात्रि गश्त एवं वाहन चेकिंग हेतु समझाइस दी गई।

08-09 जुलाई की मध्य रात्रि, सिमरिया-अमानगंज मार्ग स्थित ग्राम चिखला मंदिर के पास पुलिस टीम को एक संदिग्ध पिकअप वाहन एमपी 13जीबी 4254 दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वाहन में सवार व्यक्ति अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें 191 खाकी रंग की पेटियों में गोवा ब्रांड की अवैध शराब भरी पाई गई। प्रत्येक पेटी में 50 क्वार्टर के अनुसार कुल 9550 क्वार्टर (लगभग 1719 लीटर) अवैध शराब (अनुमानित मूल्य ?12,22,400/-) तथा परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन (अनुमानित मूल्य ?9,00,000/-) को जप्त किया जाकर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध थाना सिमरिया में अपराध क्रमांक 276/25, धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। मामले में अज्ञात आरोपी वाहन चालक की पहचान एवं शराब के स्रोत की जानकारी एकत्रित की जा रही रही हैं। - उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी सिमरिया निरीक्षक जगत पाल सिंह, सहित थाना का स्टाफ उपस्थित रहा।

विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ को दिया जा रहा प्रशिक्षण

सतना। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार आयोग द्वारा बूथ लेवल आफीसर्स के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र स्तर पर बीएलओ का प्रशिक्षण 7 जुलाई से प्रारंभ किया जाकर 17 जुलाई तक पूरा किया जायेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र 61 चित्रकूट में 42, 63 सतना में 45, 64 नागौद में 40 एवं विधानसभा क्षेत्र 65 मैहर में 50 बीएलओ को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर्स द्वारा आयोग से प्राप्त पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

एसबीआई अमानगंज शाखा ग्रामीण विकास की प्रेरणा बनी : पाण्डेय

पन्ना। ग्रामीण अंचलों तक बैंकिंग सुविधाओं की सहज पहुँच आज भी एक चुनौती बनी हुई है, किंतु भारतीय स्टेट बैंक की अमानगंज शाखा ने अपने सेवा भाव, समर्पण और संवेदनशीलता से इस चुनौती को अवसर में बदल दिया है। मध्यप्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ, पन्ना के जिला प्रवक्ता डॉ. एम.पी. पाण्डेय ने अमानगंज एसबीआई शाखा की कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे बैंक कर्मी वास्तव में समाज के सच्चे भागीदार हैं जो सिर्फ वित्तीय लेन-देन तक सीमित न रहकर जनकल्याण को अपनी सेवा का उद्देश्य बनाते हैं। डॉ. पाण्डेय ने मुख्य शाखा प्रबंधक संतोष कुमार, फील्ड ऑफिसर विवेक कुमार, और प्रशासनिक अधिकारी भूपेश लखेरा की कार्यनिष्ठा की विशेष सराहना की और कहा कि इनकी सक्रिय भूमिका से 128 से अधिक गाँवों के हजारों ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधा, पेंशन, किसान सम्मान निधि, श्रमिक कार्ड भुगतान जैसी सेवाएं समय पर उपलब्ध हो रही हैं।उन्होंने आगे कहा कि एसबीआई अमानगंज की शाखा ने बैंकिंग को सिर्फ लेन-देन का माध्यम नहीं, बल्कि एक सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का उदाहरण बना दिया है। डॉ. पाण्डेय ने बैंक स्टाफ की तत्परता, अनुशासन और जनसेवा भावना को आदर्श बताते हुए राज्य शासन, जिला प्रशासन एवं बैंक प्रबंधन को धन्यवाद दिया और ऐसे सेवाभावी संस्थानों को निरंतर प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

दुष्कर्म के आरोपी को ग्यारह वर्ष की सजा

पचहत्तर हजार का लगाया जुर्माना, जिला प्रधान न्यायाधीश कि न्यायालय का फैसला

पन्ना। जिला एवं प्रधान न्यायाधीश राजाराम भारती की अदालत द्वारा दुष्कर्म के आरोपी को 11 वर्ष की सजा तथा पचहत्तर हजार रुपए का जुर्माना लगाया है जानकारी के अनुसार जिला लोक अभियोजक किशोर श्रीवास्तव द्वारा बताया गया आरोपी रमेश पिता सुंदरलाल द्वारा। वर्ष 2023 में एक युवती के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया तथा उसके द्वारा लगातार दुष्कर्म किया गया जिससे वह गर्भवती हो गई आरोपी उसे लेकर ग्वालियर तथा रीवा भी गया एवं बाद में उसे पन्ना बस स्टैंड में छोड़कर चला गया जिससे युवती गर्भवती हो गई तथा डीएनए टेस्ट में भी संबंधित युवती एवं रमेश का डीएनए मैच हुआ पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया तथा जेल भेज दिया युक्त मामले में माननीय न्यायालय द्वारा समस्त गवाह एवं सबूत को देखते हुए 11 वर्ष के श्रम कारावास की सजा एवं 75000 हज़ार का जुर्माना लगाया है जुर्माना जमा न करने पर 2 वर्ष का अतिरिक्त सजा का दंड दिया जाएगा उक्त मामले में विद्वान अधिवक्ता लोक अभियोजक किशोर श्रीवास्तव द्वारा पैरवी की गई है।

हवाई सेवाओं के विस्तार के लिए सांसद ने ली बैठक

सतना। सांसद सतना श्री गणेश सिंह ने मंगलवार को सतना एयरपोर्ट पहुंचकर एयरपोर्ट एथारिटी और राजस्व तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। इस मौके पर उन्होंने सतना एयरपोर्ट की एयर स्ट्रीप की लम्बाई 1200 से 1800 मीटर उन्नयन किये जाने के लिए आवश्यक भूमि और एयरपोर्ट के विस्तार की संभावनाओं के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की। सांसद ने कहा कि सतना एयरपोर्ट से भोपाल और इंदौर की कनेक्टविटी के प्रचार-प्रसार के लिए फ्लाइट के टाइम शेडयूल और टिकट बुकिंग काउंटर तथा टिकट लेने की एडवांस बुकिंग की प्रक्रिया की जानकारी का सोशल मीडिया सहित अन्य प्लेटफार्म भी प्रचार-प्रसार किया जाये।

आंगनवाडी केन्द्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सतना। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन सतना के मार्गदर्शन में बुधवार को ग्राम पंचायत अतरहरा, पण्खुरी, गुडुहरु आंगनवाड़ी केन्द्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पार्थ शंकर मिश्र ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति की सुरक्षा एवं पर्यावरण संवर्धन के लिए कम से कम 11 पौधे लगाकर एवं सतत उनकी सुरक्षा प्रदान कर उन्हें वृक्ष के रूप में परिणित होने में अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि अपने माता-पिता एवं परिवार व समाज के वरिष्ठजन का सम्मान करें तथा उनके साथ किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार से बचें। श्री मिश्र द्वारा

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाई जा रही विधिक सेवायें योजनाओ के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही नालसा हेल्पलाइन 15100 की उपयोगिता के बारे में भी जानकारी दी तथा इसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी मुहम्मद जीलानी द्वारा महिला अपराधो, घरेलू हिंसा, भरण पोषण आदि से संबंधित जानकारी दी गई। साथ ही निःशुल्क विधिक सहायता व सलाह तथा नालसा द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर पैरालीगल वालेन्टियर शिवकांत पाण्डेय सहित संबंधित ग्राम के ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

करेले की खेती से लखपति बन रहे मैहर के किसान

सतना। स्वाद में कड़वी लेकिन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है करेला औषधीय गुणों से भरपूर करेला जितना आपके सेहत के लिए लाभकारी है उतना ही आपकी आर्थिक स्थिती को मजबूत करने में सहायक साबित हो सकता है। देवी धाम और सीमेंट फैक्ट्री के लिए प्रसिद्ध एमपी का मैहर जिला आज देश का सबसे अच्छा करेला उत्पादक जिला बन गया है। यहां के लोगों ने पारंपरिक खेती को छोड़कर आधुनिक खेती की ओर कदम बढ़ाया है, जो उन्हें जबरदस्त फायदा पहुंचा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, मैहर में लगभग 12 गांवों के 2 हजार से ज्यादा किसान करेले की खेती करते हैं। इनमें बेरमा, धतूरा, कुसेड़ी, भरौली, घुंवारा, मतवारा, हिनौता कलां, बेल्हा, परसवाड़ा, नई दिल्ली, मनौरा गांव शामिल है। यहां लगभग कई एकड़ में करेले की खेती की जाती है। इसका जबरदस्त फायदा किसानों को मिल रहा है।

किसानों के मुताबिक, एक एकड़ खेत में करेला उगाने में करीब 20 हजार का खर्च आता है, जो 2 महिने में तैयार हो जाती है। वहीं किसानों को इससे लाखों का मुनाफा होता है। गांव के लोगों को ट्रांसपोर्टेशन पर भी ज्यादा खर्च नहीं करना पड़ता क्योंकि गांव के ज्यादातर किसानों की सब्जियां पास से ही निकले नेशनल हाईवे 30 के किनारे ही बिक जाती है। वहीं ये करेले देश में मौजूद कई बड़ी मंडियों में भी थोक के भाव बिकने जाती है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, रविवार 13 जुलाई 2025 | 8

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने अमहिया रीवा स्थित निज निवास में जनता दर्शन कार्यक्रम के तहत नागरिकों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना।

जल प्रभाव से प्रभावितों का सर्वे करके तत्काल रिपोर्ट दें : कलेक्टर

कलेक्टर ने जल भराव से प्रभावित क्षेत्रों तथा राहत शिविरों का किया निरीक्षण

रीवा। रीवा जिले में पिछले 24 घंटे में लगातार बारिश के कारण नदी-नालों के जल स्तर में तेजी से वृद्धि हुई है। जिले में 12 जुलाई को गुढ़ तहसील में 220 मिलीमीटर और हुजूर तहसील 205 मिलीमीटर वर्षा होने के कारण बीहर नदी का जल स्तर बढ़ गया है। रीवा में बीहर नदी दोपहर 3 बजे खतरे के निशान से 20 सेंटीमीटर नीचे बह रही थी। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर अधिकारियों को राहत और बचाव के संबंध में निर्देश दिए। कलेक्टर ने बीहर नदी के छोटी पुल, करहिया घाट, करहिया पुल तथा अन्य जगहों का दौरा किया। कलेक्टर ने जल भराव से प्रभावित व्यक्तियों के लिए गवर्मेंट स्कूल गुढ़ चौराहा में बनाए गए दो

राहत केन्द्रों का निरीक्षण कर पीड़ितों से मुलाकात की। इसमें वार्ड क्रमांक 40 और 44 के नई बस्ती क्षेत्र के 26 परिवारों के 88 लोगों को रखा गया है। राहत केंद्र में प्रशासन तथा नगर निगम द्वारा पीड़ितों के लिए आवास, पानी, नाश्ता, उपचार की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर ने जल भराव से पीड़ितों से राहत केन्द्र में दी गई सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने नगर निगम के अधिकारियों को नाश्ता, भोजन और पानी की समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला को राहत केन्द्रों में उपचार दल तैनात करने के निर्देश दिए। गवर्मेंट स्कूल में नगर निगम के प्रभारी शहरी आजीविका परियोजना अभिमन्यु सिंह तथा उपायुक्त एसएम सिद्दीकी द्वारा पीड़ितों के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश ताण्डेकर को जल भराव से पीड़ितों के लिए खाद्यान्न का वितरण कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने एसडीएम हुजूर वैशाली जैन को जल भराव से प्रभावित वार्ड क्रमांक 40 के घरों का आज ही सर्वे करके रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सर्वे में यदि किसी तरह की हानि दर्ज होती है तो शासन के मापदण्डों के अनुसार राहत राशि का प्रकरण तत्काल दर्ज करके पीड़ितों को राहत राशि दें। कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण के कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कहा कि कंट्रोल रूम में जिम्मेदार अधिकारी 24 घण्टे तैनात रहें। तहसीलों के कंट्रोल रूम जल संसाधन विभाग, बाणसागर बांध, बकिया तथा टमस बराज से लगातार सूचनाएं प्राप्त करते रहें। प्राकृतिक आपदा के समय में यदि कोई व्यक्ति मदद के लिए फोन करता है तो तत्काल संबंधित अधिकारी को सूचित करें। किसी भी गांव में जल भराव अथवा बाढ़ की सूचना मिलने पर तत्काल संबंधित क्षेत्र के जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव तथा पटवारी को सूचना दें।

जल भराव से पीड़ितों की परेशानियों को तत्काल दूर करें : उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री ने रानी तालाब क्षेत्र में जल भराव पीड़ितों से की भेंट

रीवा। रीवा जिले और शहर में लगातार बारिश होने से शहर के कई वार्डों में जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रानी तालाब क्षेत्र का भ्रमण कर जल भराव की स्थिति का जायजा लिया तथा पीड़ितों से भेंट की। उप मुख्यमंत्री ने पीड़ितों से कहा कि जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए समुचित उपाय किए जाएंगे। नगर निगम द्वारा पीड़ितों के लिए 13 स्थानों पर राहत शिविर स्थापित कर दिए गए हैं। इनमें से चार शिविरों में वार्ड क्रमांक 40 और वार्ड क्रमांक 44 के पीड़ितों को रखा गया है। इनमें भोजन, पानी, उपचार आदि की पूरी सुविधा दी गई है। नगर निगम की टीम शहर भर में जल भराव को दूर करने के

लिए लगातार कार्य कर रही है। नगर निगम में भारी वर्षा और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए कंट्रोल रूम बनाया गया है। जिसमें 24 घंटे अधिकारी और कर्मचारी तैनात हैं। वर्षा का जोर कम हो गया है। अब जल भराव की समस्या दूर हो जाएगी। बीहर नदी के जल स्तर में भी धीरे-धीरे कमी आ रही है।

उप मुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को जल भराव से प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने नगर निगम के अधिकारियों को जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए समुचित उपाय के निर्देश दिए।

आपदा प्रबंधन के लिए कलेक्ट्रेट और नगर निगम में कंट्रोल रूम चालू

रीवा

अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति से निपटने तथा विभिन्न विभागों में समन्वय के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय एवं नगर निगम में कंट्रोल रूम जून माह से ही स्थापित कर दिए गए हैं। इनमें 24 घंटे अधिकारी और कर्मचारी तैनात हैं। इनके द्वारा लगातार सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि कलेक्ट्रेट के कंट्रोल रूम का फोन नम्बर 07662-255143 है। इसमें वर्षा के संबंध में लगातार सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं। आमजनता अतिवृष्टि या अन्य प्राकृतिक आपदा में कंट्रोल रूम को सूचना दे। सूचना मिलने पर तत्काल राहत और बचाव की कार्यवाही की जाएगी। नगर निगम रीवा में भी नवीन भवन में कंट्रोल रूम बनाया गया है। नगर निगम क्षेत्र में कहीं भी बाढ़ अथवा अन्य आपदा होने पर टोलफ्री नम्बर 18008899711 पर सूचना देकर सहायता प्राप्त की जा सकती है। इसके साथ-साथ कंट्रोल रूम के फोन नम्बर 07662-310346, 320105, 320150 अथवा 254568 पर भी फोन करके आवश्यक सहायता प्राप्त की जा सकती है। नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी 12 जेसीबी मशीन, जल निकासी के लिए पंप तथा अन्य उपकरणों के साथ 24 घंटे उपलब्ध हैं। जिला पंचायत में भी बाढ़ नियंत्रण के लिए कंट्रोल रूम बनाकर इसमें 24 घंटे अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए हैं। इसका फोन नम्बर 07662-252607 है। इसका प्रभारी अधिकारी श्रीमती स्मिता खरे परियोजना अधिकारी को बनाया गया है। इन्हें सहयोग देने के लिए एलडी सिंह को भी तैनात किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में जल भराव अथवा अन्य आपदाओं के समय जिला पंचायत के कंट्रोल रूम को सूचना देकर आवश्यक सहायता प्राप्त की जा सकती है।

वर्षा प्रभावितों की सुरक्षा के लिए प्रशासन की टीम लगातार कर रही प्रयास

जिले में कई स्थानों में जल भराव की समस्या को किया गया दूर

रीवा। जिले में 11 जुलाई को दिन तथा रात में लगातार बारिश होने से कई क्षेत्रों में जल भराव की समस्या उत्पन्न हो गई। रीवा नगर निगम में घरों तथा निचली बस्तियों से जल भराव से निपटने के लिए नगर निगम की टीम लगातार प्रयास करती रही। ग्राम रौसर में एक घर में पानी भरने की सूचना मिलने पर जनपद तथा होमगार्ड कर्मचारियों ने पहुंचकर जल निकासी की व्यवस्था कराई। लगभग दो घंटों के प्रयासों के बाद जल भराव की समस्या दूर हुई। लगातार बारिश के कारण डभौरा में मकान क्षतिग्रस्त हो गया। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने एसडीएम तथा तहसीलदार को तत्काल क्षतिग्रस्त मकान का सर्वे करके राहत राशि का प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। मनगवां तहसील में ग्राम नदहा में जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए जनपद और राजस्व विभाग की टीम ने लगातार प्रयास किया। एसडीएम संजय जैन ने नदहा मोड़ तथा मेथौरी में पाइप लगाकर जल निकासी की व्यवस्था कराई। त्योंथर तहसील के ग्राम चंदई में तहसीलदार ने अतिक्रमण हटाकर जेसीबी से जल निकासी की व्यवस्था कराई। नायब तहसीलदार लालन सिंह ने जनपद और ग्राम पंचायत के कर्मचारियों के सहयोग से ग्राम मझियार में स्कूल परिसर तथा उसके सामने जल भराव की समस्या को दूर कराया। ग्राम पटना

में जल भराव को दूर करने के लिए नायब तहसीलदार दिलीप श्रीवास्तव ने जेसीबी से कटाव कराकर जल निकासी कराई। ग्राम रौरा और खीरा में भी बस्तियों से जल भराव को नाली बनाकर दूर किया गया। ग्राम सिरखिनी, चोरगड़ी तथा मढ़ीकला में भी जल भराव की समस्या को दूर किया गया। राजस्व अधिकारी, पुलिस अधिकारी, जनपद तथा ग्राम पंचायत के कर्मचा?री एवं होमगार्ड के जवान राहत और बचाव का कार्य तत्परता से कर रहे हैं। जल प्रपातों में भी ग्राम पंचायत तथा होमगार्ड के कर्मचारी तैनात करके लोगों को खतरनाक क्षेत्रों में न जाने के लिए सचेत किया जा रहा है। क्योटी जल प्रपात में जनपद पंचायत गंगेव और ग्राम पंचायत के कर्मचारियों द्वारा लगातार एनाउंसमेंट किया जा रहा है।

जिले भर में अच्छी वर्षा तथा मैहर एवं सतना में वर्षा के कारण टमस नदी में भी पानी की आवक बढ़ गई है। बीहर बराज तथा बकिया बराज के 13 गेट आधी ऊंचाई तक खोलकर नियंत्रित रूप से पानी की निकासी की जा रही है। टमस और बीहर नदियों में अधिक मात्रा में पानी आने से त्योंथर क्षेत्र में कई स्थानों पर टमस नदी के जल स्तर में तेजी से वृद्धि हुई है। त्योंथर में टमस नदी का जल स्तर खतरे के निशान से 5 मीटर नीचे है।

मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना के तहत आवेदन आमंत्रित

रीवा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विपत्तिग्रस्त महिलाओं के पुर्नवास के लिए मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना संचालित है। योजना के तहत विपत्तिग्रस्त, पीड़ित, कठिन परिस्थितियों में निवास कर रही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक तथा सामाजिक उत्थान के लिए कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण पाकर महिलाएं स्वयं के साथ-साथ परिवार का भी पोषण कर सकती हैं। प्रशिक्षण पर होने वाला पूर्ण व्यय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। इसमें प्रशिक्षण शुल्क, आवासीय व्यवस्था शुल्क, भोजन एवं पाँच सौ रुपए शिष्यवृत्ति शामिल है। जिले में योजना कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के मार्गदर्शन में संचालित है। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह ने बताया गया कि योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य समूह अनुसार महिलाएं आवेदन कर सकती हैं। योजना के तहत पात्र महिलाएं आगामी 25 जुलाई तक आवेदन कर सकती हैं। योजना और आवेदन करने के संबंध में अन्य जानकारियाँ जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग तथा वन स्टॉप सेंटर के कार्यालय में कार्यालयीन समय में संपर्क कर प्राप्त की जा सकती हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि बलात्कार से पीड़ित महिला या बालिका, दुर्व्यवपार से बचाई गई महिलाएँ, विधवा अथवा अनाथ महिलाएं जो गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करती हों, योजना में आवेदन करने के लिए पात्र हैं। इसके साथ-साथ एसिड अटैक विक्टिम, जेल से रिहा महिलाएँ, परित्यकता, तलाकशुदा, शासकीय एवं अशासकीय नारी निकेतन, आश्रय गृह, बालिका गृह, अनुरक्षण गृह, शॉर्ट स्टेहोम आदि गृहों में निवासरत महिलाएं भी योजना के तहत आवेदन कर सकती हैं।

राहत शिविरों में उपचार दल तैनात

रीवा। लगातार वर्षा के कारण रीवा नगर निगम क्षेत्र के कई मोहल्लों में जल भराव के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। शहर के दो वार्डों से जल भराव से प्रभावितों को चार राहत शिविरों में रखा गया है। इन शिविरों में पीड़ितों के उपचार के लिए चिकित्सा दल तैनात कर दिए गए हैं। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि राहत केन्द्र गवर्मेंट स्कूल क्रमांक एक में डॉ शिवशंकर मिश्रा, गवर्मेंट स्कूल क्रमांक दो में डॉ पीयूष सिंह, जगन्नाथ मंदिर में डॉ जितेन्द्र वर्मा, संस्कृत कालेज में डॉ अखिलेश कुमार सिंह तथा मार्तण्ड स्कूल में डॉ राजीवबाबू द्विवेदी को तैनात किया गया है।

खैरी बस्ती तथा झिरिया में जल भराव से प्रभावित 33 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

रीवा

जिले में 11 जुलाई को रात में भारी वर्षा होने से रीवा नगर निगम के कई वार्डों में निचली बस्तियों में जल भराव हो गया। जिला कंट्रोल रूम तथा नगर निगम कंट्रोल रूम में सूचना प्राप्त होने पर होमगार्ड के जवानों तथा एसडीआरएफ की टीम ने चोरहटा थाना क्षेत्र के तहत ग्राम खैरी की निचली बस्ती में जल भराव में फंसे 23 लोगों को सुरक्षित निकाला। इसी तरह झिरिया नाला के किनारे भी घरों में जल भराव होने पर 10 व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। इस संबंध में जिला सेनानी होमगार्ड मीनाक्षी सिंह ने बताया कि जल भराव से किसी भी तरह की जनधन की हानि नहीं हुई है। प्रभावित लोगों को राहत शिविरों में सुरक्षित कर दिया गया है। प्लाटून कमाण्डर विकास पाण्डेय की टीम ने राहत और बचाव का कार्य किया। त्योंथर क्षेत्र में भी होमगार्ड के जवान नाव तथा अन्य उपकरणों के साथ किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैनात हैं। प्राकृतिक आपदा के संबंध में किसी भी तरह की सूचना मिलने पर तत्काल कार्यवाही की जा रही है।

प्रशासन एवं सीमेंट उद्योगों की तानाशाही रोकने एकजुट हुए कांग्रेसी

जवाहर लाल संताणी

मैहर। मैहर जिले में तीन सीमेंट उद्योगों के बावजूद यहां आमजन की सुविधाओं को देखने समझने वाला न तो प्रशासन है और न ही जनप्रतिनिधि ये गंभीर आरोप होटल मैहर इन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनीष पटेल ने मौजूदा प्रशासन पर लगाए हैं।

पूर्व विधानसभा प्रत्याशी कांग्रेस नेता मनीष पटेल ने आज अपने वरिष्ठ कांग्रेस जनों के साथ प्रेस कांफ्रेंस कर अपने और अपने पार्टी के इरादों को जाहिर किया। उन्होंने कहा कि इस समय यहां चुनाव नहीं है लेकिन स्थानीय प्रशासन एवं सीमेंट कंपनियां मिलकर गरीब आदिवासियों का खुलेआम शोषण की खबरों ने हमें यहां

एकजुट होने मजबूर कर दिया।

उन्होंने कहा कि अब लड़ाई आर पार की होगी वो पीड़ित गरीब आदिवासियों के लगातार शोषण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा अब परिणाम कुछ भी हो इसकी चिंता नहीं चाहे जेल जाना पड़े लाठी डंडा खाना पड़े तो भी गरीबों पर अन्याय के लिए हर तरह की लड़ाई लड़ने को हम सभी तैयार हैं। मनीष पटेल ने कहा कि आज मैहर क्षेत्र की जनता त्राहिमाम कर रही है चहुतरफा भ्रष्ट्राचार सुरसा की तरह मुंह बाए खड़ा है गरीब पीड़ित असहाय की कोई सुनने वाला नहीं जिसकी लाठी उसकी भैंस का युग चल रहा है जिसे रामराज्य की उपमा दी जा रही है यह अब असहनीय है हम कांग्रेसी बिना डरे बिना झुके सड़क से सदन तक जनहित की आवाज बुलंद करेंगे अपनी जनता जनार्दन को न्याय दिलाने का कार्य करेंगे।

मैहर में सीमेंट उद्योग और स्थानीय प्रशासन के गठजोड़ से गरीब आदमी परेशान है उनकी जमीनों पर बेजा कब्जा कर कंपनिया उत्खनन कर रही है बदले में उन्हें प्रतिफल नहीं मिल रहा। पूरे क्षेत्र का आदिवासी समाज इन कंपनियों की प्रताड़ना से परेशान है गरीब असहाय वर्ग इन उद्योगों की चमक दमक का शिकार हो रहा है और यहां का प्रशासन जनता का सेवक न होकर उद्योगों की चाकरी करता नजर आ रहा है जो क्षेत्र के लिए बेहद खतरनाक है हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने हास्पिटल के उद्घाटन कार्यक्रम में हुए शामिल

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल रीवा में वरदान मल्टीस्पेशियलिटी हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त अस्पताल निःसंदेह रीवा सहित समूचे विंध्य क्षेत्र के नागरिकों के लिए एक वरदान सिद्ध

होगा। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की इस महत्वपूर्ण पहल के लिए वरदान हॉस्पिटल टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत रोपे गए पौधे

रीवा। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में कृषि महाविद्यालय में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधरोपण किया गया। प्राध्यापकों, कृषि वैज्ञानिकों, कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं ने पौधे रोपकर इनकी सुरक्षा का संकल्प लिया।

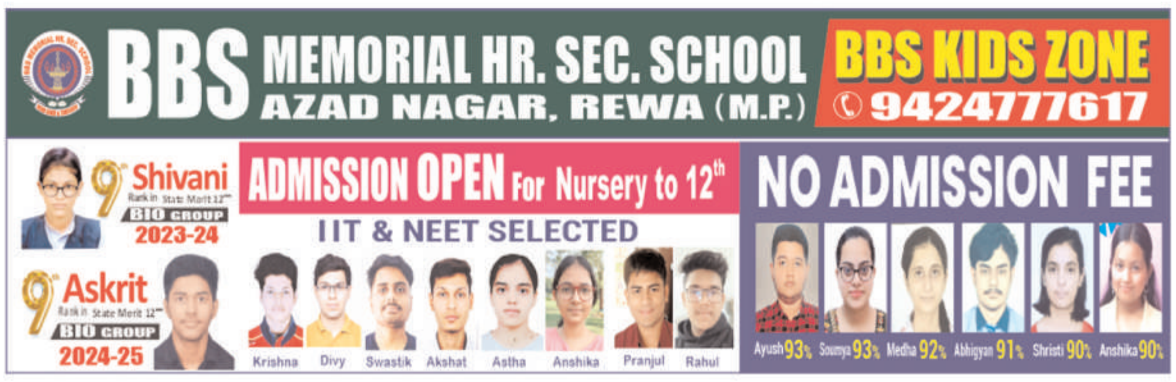

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833